50 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79) | डांक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web : muzaffarnagarbulletin.co.in | यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

न्यूनतम 8.1 °c | अधिकतम 24.0 °c

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 94127-10840, 9368549219 | संस्थापक : उत्तम चंद्र शर्मा | रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय : 7:01, सूर्यास्त : 5:20 | वर्ष : 50/ अंक : 338 | शुक्रवार, 09 दिसम्बर 2022 | पौष, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, सम्वत् 2079 | मूल्य 3 रु. | पृष्ठ-4

आज की अमृतवाणी

अगर आपके कामयाब होने का संकल्प मजबूत है, तो असफलता आपको कभी भी डरा नहीं सकती।

रामपुर में अगर प्रशासन ने अन्याय न किया होता, तो वहां सबसे बड़ी जीत मिलती : अखिलेश यादव

और खतौली और मैनपुरी का प्रशासन?.....

पूरी की पूरी भाजपा धराशाई, दमदार तरीके से जीते मदन भाई

- भाजपा के सारे नेता हुए फेल
- मुख्यमंत्री को बुलाना भी रहा नाकाम
- 22,165 से हासिल की दमदार जीत

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। आखिर आज पूरी भाजपा की साख धूमिल होती दिखाई दी। भाजपा ने आज जिले से अपनी पांचवीं सीट भी खो दी। मात्र शहरी सीट पर भाजपा के विधायक कपिल देव अग्रवाल रह गए, बाकी पूरे जिले से भाजपा का सूपड़ा पूरी तरह साफ हो गया। मुजफ्फरनगर बुलेटिन को जैसा कि अपने सर्वे से शुरू से ही प्रतीत हो रहा था कि कहीं न कहीं विक्रम सैनी का जनाधार कम हुआ है, ठीक वैसा ही हुआ और भाजपा के सारे मंत्री इस चुनाव में औंधे मुंह गिर गए। यहां तक कि दो-दो उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री को बुलाना भी नाकाफी रहा। मदन भैया ने जिस तरह की ऐतिहासिक जीत दर्ज कराई वह वास्तव में काबिले तारीफ है। भाजपा ने पूरी तरह बाहरी, गुण्डा, धनबलि, बाहुबलि हर तरह का नारा देकर जनता को बरगलाने की कोशिश की, मगर भाजपाईयों के निकम्मेपन से त्रस्त जनता ने आखिर बाहरी प्रत्याशी का ही दामन थाम लिया। हैरानी की बात तो यह है कि यह चुनाव लोकदल के बेहतरीन मैनेजमेंट से जीता गया। अगर आपको याद हो तो उक्त चुनाव में स्वयं मुस्लिमों के मसीहा माने जाने वाले सपा नेता अखिलेश यादव भी नहीं आए, बावजूद इसके भी इतनी शानदार जीत लोकदल-सपा गठबंधन को मिल गयी। सबसे ज्यादा चुनाव की जीत का श्रेय चन्द्रशेखर आजाद को जाता दिखाई पड़ रहा है, क्योंकि भाजपा अन्त समय तक इसी गफलत में रही कि दलित वोट उन पर दमदार तरीके से पड़ेगा, मगर ठीक उसका उल्टा हुआ और सिर्फ दलित ही नहीं हैरान कर देने वाली बात यह है कि बाहरी कहलाये जाने वाले मदन भैया ने हरेक वर्ग के वोट बटोरे। मुस्लिम, दलित, गुर्जर, त्यागी से अतिरिक्त जाट मतों में भी अपनी बेहतरीन पकड़ बनाई। सभी बिरादरियों के जोरदार समर्थन के कारण ही मदन भैया पूरे चुनाव में एक बार भी 27 के 27 राउंड में पीछे नहीं गए, यह भी अपने आपमें एक इतिहास बना। मदन भैया की इतनी बड़ी जीत से स्वयं रालोद-सपा गठबंधन के नेता भी हैरान हैं कि ऐसा कौन सा फॉर्मूला मदन भैया के पक्ष में था, जो उन्हें इतनी बड़ी सफलता मिली। कुल मिलाकर अब भाजपाइयों के मंथन का समय शुरू हो गया है, क्योंकि आने वाले चेयरमैनी चुनाव व सांसदी के चुनाव में भाजपा की जीत किसी टेढी खीर से कम न होगी।

जीत का जश्न : रालोद कार्यालय पर मदन भैया का स्वागत करते पार्टी समर्थक, सपा कार्यालय पर ढोल नगाड़े बजाते कार्यकर्ता व पराजय की आहट के बाद लौटती राजकुमारी

जिले में बढ़ गया जयंत का कद, संजीव की साख पर लगा बट्टा

जयंत चौधरी

संजीव बालियान

मुजफ्फरनगर। भाजपाई मानें या न मानें पूरी की पूरी भाजपा की साख पर उक्त चुनाव हार जाने के बाद बड़े बड़े सवाल खड़े हो गए। मंत्री हों या सांसद या फिर जिलाध्यक्ष खूब ऐडी चोटी का जोर लगाने के बाद भी इस हार ने सबका कद भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं आम आदमी की निगाह में छोटा कर दिया है। खासतौर पर सांसद संजीव बालियान की साख पर बट्टा लगा है, क्योंकि चुनाव से पहले संजीव बालियान समर्थक यहां तक भी कहते दिख रहे थे कि सांसद द्वारा कई प्रधान कब्जा लिये गए हैं और उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए कहा गया है, मगर सारी बातें इवीएम खुलने के बाद हवा हवाई साबित हुई। यहां तक कि जाट मतदाता को जयंत चौधरी रिझाने में पूरी तरह कामयाब रहे और जब सांसद की पकड़ जाटों से ही कमजोर पड़ गयी तो बाकी बिरादरियों की बात करना यहां बेईमानी होगा। आने वाले सांसदी चुनाव में हर हाल में जाट फिर एक बार केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान से किनारा करते हुए जयंत चौधरी की तरफ जाता दिखाई देगा। जैसा कि मुजफ्फरनगर बुलेटिन ने पहले से ही कयास लगाया कि जयंत अथवा उनके ही परिवार का कोई व्यक्ति मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से सांसदी का चुनाव लड़ेगा और अपने स्वर्गीय पिता की हार का बदला लेगा। कुल मिलाकर इस चुनाव ने पूरी की पूरी भाजपा को हिलाकर रख दिया और जिले में चेयरमैनी, सांसदी के लिए नए नए समीकरण बदलने की आवाज उठा दी। अब देखना यह होगा कि इस साख को भाजपा कैसे ठीक करती है।

उपचुनाव में सातवें आसमान पर था भाजपा नेताओं का गुरूर, मीडिया को भाड़े का टट्टू समझकर बैठे थे

मुजफ्फरनगर। खतौली उपुचनाव में भाजपा नेता मीडिया को भाड़े का टट्टू समझकर बैठ गए थे और भाजपा को गुरूर था कि मीडिया आखिर जाएगी कहां? भाजपा की सत्ता है, मजबूर होकर भाजपा के पक्ष में ही अपनी कलम चलाने का काम करेगी, मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ और मीडिया ने पूरा संतुलन बनाकर दोनों दलों के लिए स्पष्ट समाचार प्रकाशित किये। मीडिया की अनदेखी का अंदाजा खुद मीडियाकर्मियों को तब लगा जब विक्रम सैनी ही नहीं सांसद व जिलाध्यक्ष तक ने सभी समाचार पत्रों को नजरअंदाज किये रखा। एक बार भी भाजपा नेताओं को यह शर्म नहीं आई कि खतौली का उपचुनाव लड़ाने में पूरी मीडिया ने दिन-रात की हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैली में सिर्फ स्थानीय ही नहीं, दूर दूर से मीडिया ने आकर उसकी कवरेज की। बावजूद उसके मीडिया को कोई सम्मान नहीं दिया गया, क्योंकि भाजपाइयों के दिमाग में एक ही नशा था कि अपनी सत्ता हो तो मीडिया उनकी गुलामी में सदैव हाजिर रहेगी, मगर यह नशा भी ईवीएम खुलने के बाद आज पूरी तरह भाजपाइयों का उतर गया होगा। और नहीं भी उतरा होगा तो आने वाले दिनों में धीरे-धीरे यह नशा भाजपा के दिमाग से स्वयं उतरता चला जायेगा कि आखिर समाज के चौथे स्तम्भ का आम जनता के बीच असर क्या है? कुल मिलाकर इस चुनाव में मीडिया की, की गयी अनदेखी का भी परिणाम भाजपा नेताओं के सामने आया है।

चेयरमैनी में दिखाई हठधर्मी तो फिर होगा भाजपा को भारी नुकसान

मुजफ्फरनगर। खतौली उपचुनाव हारने के बाद अब भाजपा हाईकमान हो या स्थानीय नेता यदि भाजपाइयों ने कार्यकर्ता और आम जनता के साथ हठधर्मी की तो इस बार फिर एक बार काली स्याही से भाजपा का इतिहास लिखा जायेगा। दो बार से अपनी हठधर्मिता के कारण शहर की चेयरमैनी गवां चुकी भाजपा तीसरी बार भी हार की कगार पर दिखाई देगी। हालांकि जिले में भाजपा नेताओं की मुठमर्दी लम्बे समय से चलती आ रही है पर भाजपा नेताओं के कार्यकर्ताओं के शोषण से छोटे से छोटा कार्यकर्ता तंग आ चुका है। मगर अब लगता है कि कार्यकर्ताओं के दिन अच्छे आने की सम्भावना है और अपनी मनमर्जियों से टिकट बांटने व बंटवाने वाले भाजपा हाईकमान व स्थानीय भाजपा नेताओं को इस बार यह दांव भारी पड़ जाएगा। चेयरमैनी चुनाव में यदि भाजपा ने फिर एक बार अपनी हठधर्मी करते हुए किसी ऐरे-गैरे को टिकट थमाया तो दो बार की तरह तीसरी बार भी हार का ही मुंह देखना पड़ेगा। आने वाले एक सप्ताह में पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी कि भाजपा हाईकमान अथवा मठाधीश बने नेता अपनी मनमानी ही करते हैं या फिर किसी कार्यकर्ता को चेयरमैनी का टिकट सौंपते हैं ? यदि भाजपा ने होशोहवास से काम न लिया तो फिर एक बार मुंह की खाने से कोई नहीं भाजपा नेताओं को रोक

हर बार की तरह इस बार भी निष्पक्ष चली बुलेटिन की लेखनी, प्रत्येक आंकलन निकला सटीक

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। आपके शहर के छोटे से समाचार पत्र मुजफ्फरनगर बुलेटिन की लेखनी हर बार की भांति इस बार भी निष्पक्ष रूप से चलती देखी गई। मुजफ्फरनगर बुलेटिन को जमीनी स्तर पर जो भी सच दिखाई दिया, उसे अपनी कलम के जरिए बुलेटिन ने दमदार तरीके से लिखा। हालांकि ऐसी सटीक लेखनी लिखने पर मुजफ्फरनगर बुलेटिन का सत्ताधारियों से मतभेद भी हुआ। कई सत्ताधारियों ने यह कहा कि ईवीएम खुलने से पहले कैसे मुजफ्फरनगर बुलेटिन विक्रम सैनी का जनाधार घटा हुआ दिखा अथवा बता सकता है, मगर मतभेद रखने वाले नेताओं को आज इस बात का जवाब स्वयं ही मिल गया कि वास्तव में बुलेटिन के वे तीनों समाचार पूर्णतया सटीक थे, जब सबसे पहला समाचार 'कहीं घट तो नहीं गया विक्रम का जनाधार, तभी तो आ रही हैं बड़ी सरकार', और यही सच था। साढ़े छह साल जो व्यक्ति विधायक रह गया हो, बावजूद उसके भी आठ-दस जिलों का पूरी भाजपा का अमला तो छोटे से उपचुनाव में अपनी ताकत -ौंके हुए था ही, बावजूद उसके दो उप मुख्यमंत्रियों और मुख्यमंत्री को बुलाना पड़े तो विधायक की अपने साढ़े छह साल के कार्यकाल की साख कहां गायब हो गयी, इसी बात से पता चल गया था कि खुद विक्रम सैनी का जनाधार क्या खिसकता, वहां तो पूरी की पूरी जमीन ही खिसकी हुई थी। बुलेटिन ने दूसरा समाचार तब प्रकाशित किया, जब मतदान के दिन बुलेटिन को जमीनी हकीकत का अंदाजा हो गया। बुलेटिन ने अपने मुख्य समाचार 'खूब लड़े मदन भैया, म-ाधार में अटकी विक्रम की नैया' से पाठकों को यह अंदाजा दे दिया था कि यह चुनाव पूरी तरह भाजपा के पक्ष में नहीं है। जबकि मतदान के दिन शाम तक भाजपाई यही मानकर चल रहे थे कि उनकी जीत सुनिश्चित है। ठीक इसी तरह भाजपा ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने उक्त आकलन और मतदाताओं के मन की बात मतदान के बाद बेहतर तरीके से उजागर की, जिसमें मतदाता खुलकर भड़कते दिखाई दिए और साफ कह दिया कि 45-45 साल संघ में रहने का भाजपा यह सिला दे रही है कि किसी भी भाजपा नेता से उनके काम नहीं कराये जाते हैं ।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन — कहीं घट तो नहीं रहा विक्रम का जनाधार, तभी तो आ रही हैं बड़ी सरकार

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन — खूब लड़े मदन भैया, मझधार में अटकी विक्रम की नैया

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन — कवाल का बवाल सपा के लिए कलंक: योगी

नेता सिर्फ हवा हवाई बातें करते हैं, जमीन से अब भाजपा नेताओं का नाता टूट गया है। बावजूद उसके भी भाजपाईयों की आंख नहीं खुली और वे बड़ी मजबूती के साथ ये दावे करते दिखाई दिये कि इस बार उनकी जीत 50 हजार से अधिक वोटों से होगी। मगर ईवीएम खुलने के बाद बुलेटिन के प्रत्येक समाचार पर बिना बोले ही मोहर लगती चली गई और पाठकों का प्यार और आशीर्वाद फिर एक बार मुजफ्फरनगर बुलेटिन के साथ दिखाई दिया। मतगणना से पूर्व मतभेद रखने वाले भाजपाईयों ने स्वयं मान लिया कि कुल मिलाकर बुलेटिन का एक एक आकलन पूरी तरह निष्पक्ष और सटीक था और वास्तव में विक्रम सैनी का जनाधार चुनाव से पूर्व ही खिसका दिखाई पड़ रहा था।

6770 मतों में सिमट गये 12 उम्मीदवार, जब्त हुई जमानत

- निर्दलीय उम्मीदवार रमेश को मिले सर्वाधिक 1847 वोट, सबसे कम प्रदीप कुमार को 108 मत
- भाजपा को समर्थन देने वाली गौरव की मां सुरेशवती को 146 मतों पर करना पड़ा संतोष
- जिला पंचायत सदस्य प्रमोद अन्ना ने पाये 1903 वोट

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। रालोद और भाजपा उम्मीदवार को छोड़कर खतौली उपचुनाव में उतरे 12 उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई है। यह उम्मीदवार मात्र 6770 मतों पर सिमट गये हैं। निर्दलीय उम्मीदवार रमेश को सर्वाधिक 1847 मत मिले हैं। भाजपा को समर्थन करने वाली गौरव की मां सुरेशवती को 146 मत ही मिले हैं। खतौली उपचुनाव में किस्मत आजमाने के लिए भाजपा की राजकुमारी सैनी और रालोद के मदन भैया समेत कुल 14 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। इनमें से कवाल में मारे गये गौरव की मां सुरेशवती और प्रदीप कुमार ठाकुर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने का ऐलान कर दिया था। गुरुवार को मतगणना हुई तो चुनावी नतीजों में तमाम निर्दलीय प्रत्याशी धराशायी हो गये। एक लाख 79 हजार 581 मतों में से इन 12 प्रत्याशियों को सिर्फ 6770 मत ही हासिल हुए। निर्दलीय प्रत्याशी रमेश को 1847, जिला पंचायत सदस्य प्रमोद आर्य उर्फ अन्ना को 1803, यशपाल सिंह को 477, निर्मल प्रताप सिंह को 522, प्रदीप कुमार ठाकुर को 108, यज्ञपाल सिंह राठी को 123, मौ. यूसुफ को 146, वकार अजहर को 147, संतोष को 712, सुदेश को 240, गौरव की मां सुरेशवती को 146 और संजीव कुमार को 481 मत ही मिले। कुल मिलाकर इन तमाम प्रत्याशियों की जमानत राशि जब्त हो गयी है।

कमल दल के चेहरों पर छाई रही निराशा

- हर चक्र के बाद टूटती गई माहौल बदलने की आशा
- खतौली की हार में गुजरात की जीत का जश्न मनाना भूले

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। हमेशा सत्ता की खुशी से लबरेज रहने वाले भाजपा नेताओं के चेहरों पर आज पहले राउंड के नतीजों से जो मुर्दनी छाई तो निराशा के बादल छंटने का कोई मौका नहीं मिला। यहां तक कि भाजपा खतौली की हार में गुजरात की जीत का जश्न मनाना भी भूल गई। सर्दी में माथे पर पसीना और चेहरे पर चिंता की लकीरें। बार बार कुर्सियों पर पहलू बदलते। कभी हालात का आकलन करते और कभी हार के कारणों पर मंथन करते पूरा दिन बीता।

यहां तक कि भाजपा के दिग्गजों ने मीडिया को देखकर भी मुंह मोड लिया और कुछ भी बोलने से यह बयानवीर परहेज करते रहे। आज मतगणना के दौरान सुबह से ही भाजपा के दिग्गजों का जमावड़ा गणपति धाम के सामने मैदान में लगा था। सुबह चाय पकौड़ी के साथ खुले मैदान में बिछी कुर्सियों पर धूप सेंकते भाजपाईयों में सुबह उम्मीद का उत्साह था। इसके बाद जब नतीजों की झलकियां आनी शुरू हुई तो हर चक्र में निकला निराशा का जिन्न चेहरों पर चिंताओं की रेखाओं को बढ़ाता चला गया। शुरू के चक्रों की पराजय के बाद कुछ उम्मीदें बाकी थी, लेकिन आधे चक्रों का रुझान आते-आते पकौड़ियां और चाय दोनों ठंडी होती रहीं और दिमाग का पारा और शरीर का रक्तचाप दोनों गर्माते रहे। वहां मौजूद केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ.संजीव बालियान, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिलदेव अग्रवाल, पूर्व विधायक उमेश मलिक, खतौली के पूर्व विधायक विक्रम सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.वीरपाल निर्वाल, जिला सहकारी बैंक के सभापति सतपाल पाल, जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की जुबान खामोश थी। चर्चा होती भी तो यह कि हार क्यों रहे हैं। इस बीच मतगणना के बीच ही प्रत्याशी राजकुमारी सैनी वहां पहुंची, लेकिन उन्हें देखकर भी कोई उत्साह नहीं झलका। गौरव स्वरूप भी वहां पहुंचे, लेकिन अधिक देर नहीं टिके। शेष : पृष्ठ-4 पर

खतौली चुनाव....जीत-हार

फोटो बुलेटिन

1.मतगणना पूर्ण होने पर मंडी परिसर से विजयी होकर निकलते मदन भैया। 2.मतगणना के दौरान प्रत्याशी कैंप में मौजूद मदन भैया व राजकुमारी सैनी तथा अन्य। 3. मतगणना के दौरान सुरक्षा बंदोबस्त परखने के लिए एसपी सिटी संग निरीक्षण करते एसएसपी विनीत जायसवाल।

मतगणना स्थल से जातीं राजकुमारी (ऊपर)

फोटो बुलेटिन

खतौली उपचुनाव की मतगणना को नवीन मण्डी पर किए गए त्रिस्तरीय सुरक्षा प्रबंध तथा मौजूद आयुक्त, डीआईजी, डीएम व अन्य अधिकारी।

गुजरात: पीएम मोदी की आंधी में कांग्रेस साफ

अहमदाबादद, 8 दिसंबर (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज गुजरात में रिकॉर्ड बनाते हुए पहली बार 156 सीटों पर जीत दर्ज की है। ऐसे में यहां पर भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी, जितनी सीटों पर गुजरात में भाजपा को जीत मिली है, उतनी सीटें इससे पहले किसी भी पार्टी को नरेन्द्र मोदी के प्रभाव वाले इस राजय में नहीं मिली थी।

इस विधानसभा चुनाव में मात्र 17 सीटों पर सिमटी कांग्रेस को 1990 के बाद गुजरात में सबसे शर्मनाक हार मिली है। जहां पिछली बार के मुकाबले पार्टी को 60 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा हैं। पहली बार गुजरात की सियासत में दमदार प्रदर्शन की एक हलचल बनने का काम करने वाली आम आदमी पार्टी को यहां पांच और अन्य को चार सीटों पर जीत मिली।

शपथ

12 दिसंबर को सीएम पद की शपथ ग्रहण करेंगे भूपेन्द्र पटेल

गुजरात राज्य के चुनाव में अब तक सबसे ज्यादा सीटें जीतने का रिकॉर्ड कांग्रेस के पास था। कांग्रेस ने 1985 के लोकसभा चुनाव में 149 सीटें जीती थी। उस वक्त माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। वहीं, भाजपा को प्रदेश में इससे पहले सबसे ज्यादा सीटें 2002 में मिली थी। 2002 में पार्टी ने 127 सीटों पर जीत दर्ज की थी। उत्तर गुजरात ने कांग्रेस की लाज रख ली। अकेले उत्तर गुजरात से कांग्रेस को 9 सीटें मिली हैं, जबकि समूचे गुजरात में उनके सीटों की संख्या 17 है। राज्य के 33 में से 24 जिलों में तो कांग्रेस खाता तक नहीं खोल सकी।

आप राष्ट्रीय पार्टी बन गई

गुजरात चुनाव परिणाम के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के लिए अच्छी खबर आई है। आम आदमी पार्टी महज 10 साल में क्षेत्रीय पार्टी से देश की राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। इसके बाद आप देश की 9वीं राष्ट्रीय बनी। आप की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। भाजपा और कांग्रेस देश की राष्ट्रीय पार्टी है। कुछ छोटे दलों, जैसे कम्युनिस्ट पार्टियों को भी राष्ट्रीय दलों में मान्यता प्राप्त है।

मोदी वेव में चमके ये युवा

गुजरात विधानसभा चुनाव में जीत के साथ ही भाजपा ने 12 दिसंबर को नई सरकार के शपथग्रहण का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी नई सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल ने कहा है कि यह गुजरात की जनता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत है। गुजरात की जनता ने विकास के मॉडल को स्वीकार किया है। गुजरात की जनता ने भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद दिया है, गुजरात में यह डबल इंजन की जीत है।

इस विधानसभा चुनाव में गुजरात प्रदेश के लोगों को कई राजनीतिक दल एवं नेताओं ने गुमराह करने का प्रयास किया। पाटिल ने आम आदमी पार्टी पर बयानी हमला करते हुए कहा कि लोगों को लिखकर गारंटी देकर अपनी सरकार बनाने का भी दावा केजरीवाल ने चुनाव प्रचार के दौरान किया, लेकिन गुजरात की जनता ने नरेन्द्र मोदी के विकास के मॉडल को स्वीकार किया।

दस में आठ मुस्लिम बहुल सीटों पर खिला कमल

अहमदाबाद, 8 दिसंबर (वार्ता)। भाजपा ने गुजरात की मुस्लिम बहुल 10 सीटों में से 8 पर कब्जा जमा लिया है। दरियापुर सीट से तीन बार से विधायक चुने जाने वाले कांग्रेस नेता ग्यासुद्दीन शेख इस चुनाव में भाजपा के कौशिक जैन से चुनाव हार गए है। मुस्लिम बहुल 10 सीट में से 4 सीट पहले कांग्रेस के कब्जे में थी, इनमें से 2 सीट जमालपुर एवं दानीलिमडा कांग्रेस बचाने में सफल रही है। जबकि 2 सीट भाजपा ने छीन ली है। गुजरात में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 10 फीसदी है, करीब 30 सीट पर मुस्लिम मतदाताओं का अच्छा प्रभाव है, 20 सीट ऐसी है जहां यह मतदाता 20% से भी अधिक हैं। मुस्लिम बहुल 10 सीटों में दरियापुर, वागरा, भरूच, वेजलपुर, भुज, बापुनगर, जंबूसर, लिंबायत, जमालपुर खड़िया, दानीलिमडा, प्रमुख है इनमें खड़िया में सबसे अधिक 61 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता है जबकि दानीलिमडा में 48, दरियापुर में 40 फीसदी मुस्लिम मतदाता है।

आप सीएम प्रत्याशी हारे

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा बने ईसुदान गढ़वी खंभालिया सीट से चुनाव हार गए। सूरत कि वराछा सीट से चुनाव लड़ रहे पाटीदार नेता अल्पेश कथिरिया, ओलपाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। धार्मिक मालवीय एवं कतारगाम सीट से चुनाव लड़ रहे आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया भी चुनाव हार गए। इसके अलावा कच्छ जिले की भुज सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कैलाश दान गढवी भी मोदी लहर में यह चुनाव हार गए। लेकिन आप ने इस चुनाव में 5 सीट जीत कर गुजरात विधानसभा के चुनाव में अपने प्रयोग में पहली सफलता हासिल की है।

पत्नी की हत्या के आरोपी को किया बरी

प्रयागराज, 8 दिसंबर (वार्ता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बदायूं जिला न्यायालय के फैसले को पलटते हुए पत्नी की हत्या के आरोप से मुक्त करते हुए बरी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत का फैसला एक तरफा था। लिहाजा आरोपी को बरी किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. कौशल जयेंद्र ठाकर और न्यायमूर्ति अजय त्यागी अनिल की अपील को स्वीकार करते हुए दिया। मामले में याची पर अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप थी। पत्नी के भाई ने बदायूं जिले के उघैती थाने में दहेज अधिनियम की धारा 2/3 और आईपीसी की धारा 498ए और 304बी के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिला अदालत में मामले की सुनवाई केदौरान अभियोजन की ओर से 11 गवाह पेश किए गए। जिला न्यायालय ने पति अनिल को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये की सजा सुनाई। मामले में पति ने जिला न्यायालय केफैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। पति ने अपने को बेकसूर बताया। कोर्ट ने कहा कि साक्ष्य अधिनियम की धारा 100 से 114 तक तथ्यों को साबित करने का बोझ उस व्यक्ति पर होता है, जो कोई बात जानता है। साक्ष्य अधिनियम की धारा 106 इसका अपवाद है। कोर्ट ने अपने दो आदेशों का हवाला भी दिया। निचली अदालत ने तथ्यों को सही तरीके से समझा नहीं और गलत दोषी ठहराया।

संकटमोचन दरबार पहुंचे अभिनेता अभिषेक बच्चन

वाराणसी, 8 दिसंबर (वार्ता)। फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन गुरुवार को संकटमोचन मंदिर दर्शन पूजन करने पहुचे। जहां उन्होंने संकटमोचन हनुमान और राम दरबार में विधिवत दर्शन पूजन किया। करीब 15 मिनट तक मंदिर परिसर में दर्शन पूजन करने के बाद अपने गंतव्य की ओर लौट गए। इस दौरान मंदिर के बाहर उन्होंने अपने फैंस के साथ सेल्फी ली।

बता दें कि अभिषेक बच्चन और अजय देवगन फिल्म भोला की शूटिंग के लिए वारणसी पहुंचे हुए हैं। अभिषेक बच्चन बुधवार को वाराणसी पहुंचे। सफेद कुर्ता-पायजामा, साथ में सदरी के साथ कंधे पर शॉल लिए अभिषेक बच्चन की एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। बुधवार को अभिषेक बच्चन ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-पाठ की। वहीं बुधवार को फिल्म भोला के एक सीन के लिए अजय देवगन वाराणसी के गोदौलिया चौराहा पहुंचे। अभिनेता अजय देवगन खुली जीप में बैठ कर गोदौलिया पहुंचे थे। जिन्हें देखकर फैंन शोर मचाने लगे। फिल्म के सीन के अनुसार अजय देवगन ने गोदौलिया चौराहे के दो चक्कर लगाए। अजय देवगन की एक झलक पाने के लिए वहां उपस्थित लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

बहुमत मिला... कांग्रेस-40 और भाजपा-25....जयराम ठाकुर ने हार स्वीकार कर मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा, आठ कैबिनेट मंत्री हारे

हिमाचल चुनाव में भाजपा पस्त, कांग्रेस ने मारी बाजी

शिमला , 8 दिसंबर (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश में पांच साल बाद सरकार बदलने का रिवाज जारी है। इसका फैसला हो चुका है। गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए हुई मतगणना के नतीजों में कांग्रेस ने 40 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, 25 सीटों पर सिमट गई। तीन सीटों पर निर्दलियों ने जीत हासिल की है। निवर्तमान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राजभवन से निकलने के बाद उन्होंने मीडिया को बताया कि मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। लोगों के विकास के लिए काम करना कभी बंद नहीं करेंगे। हमें किसी का विश्लेषण करने की जरूरत है। कुछ मुद्दे ऐसे थे, जिन्होंने नतीजों की दिशा बदल दी। भाजपा में 20 विद्रोहियों ने भी भाजपा को हराने में काफी बड़ी भूमिका निभाई।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे 8 विधायकों को अपने ही घरों में ढेर होना पड़ा। भाजपा सरकार में पंचायती राज मंत्री रहे और कुटलैहड़ विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र कंवर को कांग्रेस उम्मीदवार देवेंद्र कुमार भुट्टो ने 7,579 मतों से पराजित किया। भाजपा सरकार में शहरी आवास मंत्री रहे और कसुम्पटी विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सुरेश भारद्वाज को कांग्रेस विधायक व प्रत्याशी अनिरुद्ध सिंह ने पराजित किया। अनिरुद्ध सिंह ने उन्हें 8,655 मतों से शिकस्त दी। भाजपा हाईकमान ने सुरेश भारद्वाज का विस क्षेत्र बदलकर इस बार कसुम्पटी से टिकट दिया था। 2017 में उन्होंने शिमला शहरी सीट से चुनाव में जीत दर्ज की थी। भाजपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे और कसौली विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ. राजीव सैजल को कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी ने 6,768 मतों से शिकस्त दी। भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री और मनाली विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोविंद ठाकुर को कांग्रेस उम्मीदवार भुवनेश्वर गौड़ ने 2,957 वोटों से हराया। भाजपा सरकार में सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री और शाहपुर विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सरवीण चौधरी को कांग्रेस उम्मीदवार केवल सिंह पठानिया ने 12,243 मतों से हराया। भाजपा सरकार में वन एवं खेल मंत्री रहे और फतेहपुर विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राकेश पठानिया को कांग्रेस उम्मीदवार भवानी सिंह पठानिया ने 7,354 मतों से हराया।

2022 के विस चुनाव में भाजपा हाईकमान ने राकेश पठानिया को नुरपुर से बदलकर फतेहपुर से टिकट दिया था। 2017 का विस चुनाव राकेश पठानिया ने नुरपुर से लड़ा था और जीत हासिल की थी। भाजपा सरकार में खाद्य आपूर्ति मंत्री रहे और घुमारवीं से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र गर्ग को कांग्रेस उम्मीदवार राजेश धमार्णी ने 5,176 मतों से हराया।

भाजपा सरकार में तकनीकी शिक्षा मंत्री रहे और लाहौल-स्पीति से भाजपा प्रत्याशी डॉ. रामलाल मारकंडा को कांग्रेस उम्मीदवार रवि ठाकुर ने 1,616 मतों से हराया। वहीं सिर्फ सीएम जयराम ठाकुर, जसवां परागपुर से भाजपा प्रत्याशी और भाजपा सरकार में परिवहन और उद्योग मंत्री रहे विक्रम सिंह, पावंटा साहिब से भाजपा प्रत्याशी और भाजपा सरकार में ऊर्जा मंत्री रहे सुखराम चौधरी ही 2022 के विस चुनाव में जीत दर्ज कर पाए हैं। बागवानी मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर के बेटे रजत ठाकुर ने इस बार धर्मपुर विस क्षेत्र से चुनाव लड़ा लेकिन वे कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रशेखर से 3,026 मतों से हार गए। 12 नवंबर को राज्य की 68 सीटों पर करीब 66 फीसदी मतदान हुआ था। चुनाव में कुल 55,92,828 मतदाताओं में से 28,54,945 पुरुष, जबकि 27,37,845 महिलाएं और 38 थर्ड जेंडर के लोग शामिल हुए थे। इसके बाद आये अधिकांश सर्वे में राज्य में भाजपा की सत्ता की वापसी का दावा किया गया था।

विधायकों को संभाल कर रखो: भूपेश बघेल

20 विद्रोहियों के कारण भाजपा को मिली हिमाचल प्रदेश में करारी शिकस्त, अपने ही घरों में ढेर हुए दिग्गज

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के पर्यवेक्षक और छत्तीसगढ़ के सीएम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का हॉर्स ट्रेडिंग पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से जीतने वाले विधायकों को बीजेपी से खतरा है। अपने साथियों को संभाल कर रखना होगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी को अपने विधायकों को खरीद-फरोख्त से बचाना होगा, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कुछ भी कर सकती है। कांग्रेस पार्टी ने बघेल को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। उन्होंने इन अटकलों को खारिज किया कि हिमाचल प्रदेश से पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों को छत्तीसगढ़ स्थानांतरित किया जाएगा।

इन्होंने कहा.....

राज्य की जनता का आदेश हमें स्वीकार है, चुनाव का विश्लेषण करने की हमें जरूरत नहीं है, कुछ मुद्दे ऐसे रहे, जिन्होंने चुनाव की दिशा को बदल दिया। हमारी सरकार ने राज्य के हित में काम किया। जनहित में हम आगे भी अपने काम को करते रहेंगे...

जयराम ठाकुर, पूर्व सीएम

एम.जी. पब्लिक स्कूल में 11 को नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

वरदान सेवा संस्थान गाजियाबाद के सहयोग से होगा चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। एम.जी. पब्लिक स्कूल में 11 दिसंबर को आंखों का नि:शुल्क विराट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसके आयोजन की स्कूल में तैयारी शुरू करा दी गई है।

टिहरी आयरन एंड स्टील कास्टिंग लि. के सीईओ सतीश चन्द गोयल ने जानकारी दी है कि एम.जी. पब्लिक स्कूल परिसर में 11 दिसंबर को वरदान सेवा संस्थान, गाजियाबाद के सहयोग से विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय हरबंस लाल गोयल एवं स्वर्गीय विमलावती देवी के सम्मान में आंखों के नि:शुल्क विराट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कैंप के आयोजन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभांवित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जनसेवा की इसी कड़ी में उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि नेत्र रोग से पीड़ित ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इस शिविर के आयोजन की यह लाभकारी जानकारी पहुंचाने में सहयोग करें ताकि अधिकतम लोग इसका लाभ उठा सकें। यह शिविर 11 दिसंबर प्रातः 10 बजे से दोपहर 01 बजे तक आयोजित किया जायेगा। शिविर में मोतियाबिन्द से पीड़ित नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित करते हुए उनको वरदान नेत्र चिकित्सालय, गाजियाबाद ले जाने के बाद नि:शुल्क ऑपरेशन कराया जायेगा। इसके साथ ही विद्यालय की ओर से वरदान सेवा संस्थान के सहयोग के लिए एक एम्बुलेंस भी भेंट की जायेगी।

उन्होंने बताया कि शिविर में करीब 500 रोगियों के आने की संभावना है। इससे पहले भी आयोजित हुए शिविर में 400 से ज्यादा नेत्र रोगियों का पंजीकरण कराया गया था और इन रोगियों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा परीक्षण का लाभ उठाया था। इस शिविर के आयोजन की तैयारियों को लेकर एम.जी. पब्लिक स्कूल की प्रिंसीपल श्रीमति मोनिका गर्ग भी समस्त स्टाफ के साथ मिलकर व्यवस्था बनाने में जुटी हुई हैं। शिविर में रोगियों को नि:शुल्क दवाईयां भी वितरित की जाएंगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मुजफ्फरनगर, 08 दिसम्बर (बु.)। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कसियारा के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। इसके अलावा अन्य हादसों में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अपने घर जा रहा था युवक, अस्पताल में चिकित्सकों ने किया मृत घोषित, भोपा रोड पर हादसे में एक अन्य युवक भी हुआ घायल, कराया गया भर्ती।

पुलिस सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कसियारा निवासी सनिपाल पुत्र विनोद कुमार बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। गांव के ही निकट अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिये भेज दिया है। इसके अलावा झिंझाना थाना क्षेत्र के गांव चूंहाखेड़ी निवासी दीपक पुत्र जयकुमार भोपा रोड पर हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डिपल की बड़ी जीत को अखिलेश ने बताया नकारात्मक राजनीति की हार

मैनपुरी, 8 दिसंबर (वार्ता)। सपा संरक्षण मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में नेताजी की बहू डिंपल यादव ने सपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की है। उपचुनाव में मुख्य मुकाबला सपा और भाजपा के बीच ही हुआ।

डिंपल यादव ने भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को दो लाख 88 हजार 461 वोटों से पराजित किया। डिंपल यादव को छह लाख 18 हजार 120 वोट मिले। जबकि भाजपा प्रत्याशी को तीन लाख 29 हजार 659 वोट मिले।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व डिंपल यादव नवीन मंडी परिसर में पहुंचे। यहां जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने उन्हें जीत का प्रमाणपत्र सौंपा। अखिलेश और डिंपल मीडिया से मुखातिब हुए। अखिलेश यादव ने कहा कि ये जीत मैनपुरी के मतदाताओं की नेताजी (मुलायम सिंह यादव) को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस जीत ने नकारात्मक राजनीति को पराजित किया है। सपा प्रत्याशी की जीत पर जिलेभर में कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल रहा। पार्टी हाईकमान ने सादगी के साथ खुशी का इजहार करने की अपील की थी। बावजूद इसके कार्यकर्ताओं ने जिलेभर में मिठाई बांटी और आतिशबाजी की। मैनपुरी लोकसभा सीट से वह पहली महिला सांसद बनी। बीते 19 चुनावों में कभी भी महिला प्रत्याशी को जनता ने नहीं चुना। एक नहीं बल्कि चार-चार महिला प्रत्याशियों ने लोकसभा सीट पर अपना भाग्य आजमाया, लेकिन हर बार उन्हें हार ही मिली। भाजपा से मशहूर भजन गायिका तृप्ति शाक्य, कांग्रेस से सुमन चौहान, बसपा से संघमित्रा मौर्या और निर्दलीय प्रत्याशी राजेश्वरी देवी ने भी चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाईं। हालांकि सपा ने इससे पूर्व इस सीट पर कभी महिला प्रत्याशी को नहीं उतारा था।

मैनपुरी में मुलायम सिंह की बहू डिंपल ने 2.88 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी को हराया

बरात ले जाने से पहले दूल्हा पहुंचा जेल, प्यार में धोखा देना पड़ा भारी

आगरा, 8 दिसंबर (वार्ता)। आगरा में एक युवक बरात ले जाने से पहले जेल पहुंच गया। उसकी प्रेमिका ने पुलिस से शिकायत की थी। उसने युवक पर शादी का वादा कर शोषण के आरोप लगाए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। युवती ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत की। आरोप लगाया कि दयालबाग स्थित कृष्णा बाग निवासी राहुल से तीन साल पहले मुलाकात हुई थी। दोनों निजी कंपनी में सेल्समैन थे। उनकी राहुल से दोस्ती हो गई। उसने शादी का वादा किया। इसके बाद शारीरिक शोषण करने लगा। शादी की कहने पर हर बार टालमटोल करने लगता। हाल ही में उसने शादी से इनकार कर दिया। उसके घरवालों को भी दोनों के संबंध की जानकारी थी। इसके बावजूद वो शादी के लिए तैयार नहीं हुए।

आपका आज का राशिफल

शुक्रवार, 09 दिसंबर, 2022

मेष- कार्यों में उन्नति का सुयोग, सुपरिचितों के सहयोग से समस्या का समाधान, शारीरिक अनुकूलता, राजनीतिक रुझान, आत्मिक शांति।

वृषभ- आर्थिक व्यावसायिक पक्ष में प्रगति हेतु प्रयास सार्थक, वाद-विवाद में कमी, किसी योजना का सुपरिणाम प्राप्त, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, यात्रा संतोषजनक।

मिथुन- स्वास्थ्य बेहतर, आत्मविश्वास से कुछेक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता, विवाद के समापन का मार्ग प्रशस्त, उन्नति में प्रयास सार्थक, मनोरंजन में रुचि।

कर्क- समय विपरीत, जल्दबाजी में किया गया कार्य व लिया गया निर्णय अहितकर, आत्मीयजनों में कटुता, स्वास्थ्य में बाधा, निजी इच्छा की पूर्त में बाधा।

सिंह- अधूरे व नवकार्यों की पूर्त हेतु मित्रों से विचार-विमर्श, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, संभावित यात्रा सफल, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ।

कन्या- बहुप्रतीक्षित योजना साकार होने की ओर, भाग्योदय का मार्ग प्रशस्त, किसी के माध्यम से बकाये धन की प्राप्ति, भोग-विलासिता की ओर रुझान, सत्संग।

तुला- समय संतोषजनक, आर्थिक व्यापारिक पक्ष में उन्नति का सुयोग, विवाद का निर्णय पक्ष में, परिवार में मांगलिक आयोजन, विरोधी पराभूत।

वृश्चिक- परिस्थितियां भाग्य के प्रतिकूल, आहार-विहार की अनियमितता से स्वास्थ्य पर कुप्रभाव, लाभार्जन का मार्ग अवरुद्ध, आर्थिक लेन-देन से हानि।

धनु- अभीष्ट कार्यों में संतोषजनक सफलता, समस्या के समाधान हेतु स्वजनों से विचार-विमर्श, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्त, वरिष्ठजनों से सम्पर्क।

मकर- स्वाध्याय की ओर रुचि, घरेलू समस्याएँ पक्ष में सुलझने की ओर, राजनैतिक कृत्यों की ओर अभिरुचि, बुद्धि-विवेक से किया गया कार्य लाभप्रद, कर्ज की निवृत्ति।

कुम्भ- कार्यों में अनुकूलता, वाक्पटुता से संकल्पसिद्धि, व्यापारिक परिवर्तन की योजना, वैवाहिक जीवन में सुख शांति।

मीन- भाग्योन्नति का मार्ग अवरुद्ध, कार्य व्यवसाय में नुकसान, बनी-बनाई योजना किसी कारणवश अधूरी, वैवाहिक जीवन असंतोषजनक, भौतिक सुख में कमी।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्री उत्तम चन्द्र शर्मा ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक- अंकुर दुआ
डिप्टी -सम्पादिका-श्रीमति पूजा दुआ
☎ (प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
विज्ञापन- 9368549219 (मो.)7983359929,
सम्पादक- 9412210257
e-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2022

सम्पादक की क़लम से

हिमाचल में कांग्रेस की जीत

हिमाचल में कांग्रेस ने जीत का झण्डा गाड़ दिया है। गुजरात में कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई है। दिल्ली एमसीडी चुनाव में जीतकर मिठाई बाँटने और खाने वाली कट्टर ईमानदार पार्टी का जायका बिगड़ गया है। हिमाचल में जीत के बावजूद कांग्रेस को टूट का डर सता रहा है। खतौली विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा ने अपनी चौथाई सरकार को लगा दिया था, इसके बावजूद गठबंधन के गणित ने भाजपा का गणित बिगाड़कर रख दिया। गुजरात में भाजपा ने 156 सीटों के साथ जीत का नया रिकॉर्ड बना दिया है। कांग्रेस ने 1985 में माधव सिंह सोलंकी की अगुआई में 149 विधानसभा सीटें जीती थीं। वहीं, नरेंद्र मोदी के मुख्यमन्त्री रहते भाजपा ने 2002 के चुनाव में 127 सीटें जीती थीं। इस जीत के साथ भाजपा ने दोनों रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिलचस्प बात यह है चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमन्त्री मोदी ने कहा था, नरेंद्र का रिकॉर्ड भूपेंद्र तोड़ेंगे। चुनाव नतीजों में बिल्कुल यही नजर आया। भाजपा को 2017 के मुकाबले 58 सीटों का फायदा हुआ है। वहीं, कांग्रेस को सबसे ज्यादा 60 सीटों का नुकसान हुआ है। पार्टी ने पिछली बार 77 सीटें जीती थीं। इस बार उसे 17 सीटें ही मिली हैं। गुजरात में बीजेपी की विराट जीत के बाद पीएम मोदी ने गुजरात की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, गुजरात आपका धन्यवाद। ऐसे नतीजे देखकर मैं अभिभूत हूँ। लोगों ने विकास की राजनीति को अपना आशीर्वाद दिया है और यह भी बता दिया है कि वें और भी तेजी से इस विकास को जारी रखना चाहते हैं। मैं गुजरात की जन-शक्ति के आगे सिर झुकाता हूँ। गुजरात के मुख्यमन्त्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव का जनादेश अब स्पष्ट हो चुका है, यहां की जनता ने मन बना लिया है कि दो दशक से चली आ रही गुजरात की इस विकास यात्रा को अविरत चालू रखना है। यहां के लोगों ने एक बार फिर बीजेपी पर अटूट भरोसा दिखाया है। आम आदमी पार्टी गुजरात में महज 5 सीटें जीत सकी है। उसके तीनों बड़े नेता चुनाव हार गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया और पाटीदार नेता अल्पेश कथीरिया शामिल हैं। इसके बावजूद वोट शेयर के आधार पर आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है। अब पार्टी पूरे देश में अपने नाम और चुनाव चिह्न के साथ लड़ सकेगी। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने पहली बार गुजरात विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था। कुल 13 में से 2 हिंदू कैंडिडेट भी मैदान में उतारे थे। पार्टी के सभी कैंडिडेट चुनाव हार गए हैं। जनता ने ओवैसी की पार्टी को नकार दिया है। गुजरात में अब तक बनी सरकारों की बात करें, तो 1960 में राज्य बनने के बाद से 1975 तक यहां कांग्रेस की सरकार रही। 1975 में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी, लेकिन अगले ही चुनाव यानी 1980 में कांग्रेस ने सत्ता में वापसी कर ली। गुजरात में 1975 के 15 साल बाद यानी 1990 में एक बार फिर गैर कांग्रेसी सरकार बनी, लेकिन रियल टर्निंग पॉइंट आया 1995 में जब भाजपा ने पहली बार अपने दम पर सरकार बनाई। तब केशुभाई पटेल राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। 2001 में भाजपा ने पटेल को हटाकर नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमन्त्री बनाया। इसके बाद 2002, 2007 और 2012 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने विधानसभा चुनाव जीते। हालांकि राज्य में पिछला यानी 2017 का चुनाव भी भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही लड़ा था, लेकिन सरकार बचने के बावजूद उसकी सीटें घट गई थीं। गुजरात को सियासी जानकार चार हिस्सों में बांटकर देखते हैं। ये हैं मध्य, उत्तर, दक्षिण और सौराष्ट्र-कच्छ। इन सभी रीजन में सबसे ज्यादा वोटिंग दक्षिण गुजरात में हुई। यहां वोटिंग का आंकड़ा 70.38 प्रतिशत रहा। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने रिवाज कायम रखते हुए राज बदल दिया है। यानी, हर चुनाव की तरह इस बार भी सत्ता बदली है। भाजपा 25 सीटों पर सिमट गई। 2017 के मुकाबले उसे 19 सीटों का नुकसान हुआ। 3 सीटों पर निर्दलियों ने जीत दर्ज की है। एमसीडी चुनाव में भाजपा को हराने वाली आम आदमी पार्टी पहाड़ में खाता भी नहीं खोल पाई। मुख्यमन्त्री जयराम ठाकुर ने नतीजों के बाद इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस में मुख्यमन्त्री चुनने के लिए मंथन जारी है। वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह रेस में आगे हैं। हिमाचल में हर चुनाव में 45 से 75 प्रतिशत मंत्रियों के चुनाव हारने का रिकॉर्ड है। इस बार भी जयराम ठाकुर कैबिनेट के 10 में से 8 मंत्री चुनाव हार गए। जयराम ठाकुर के अलावा विक्रम ठाकुर और सुखराम चौधरी ही चुनाव जीत पाए। पिछले चार चुनाव का रिकॉर्ड देखें तो हर बार करीब आधे या उससे ज्यादा मन्त्री चुनाव हार गए हैं। 2017 के चुनाव में कांग्रेस के मुख्यमन्त्री वीरभद्र सिंह कैबिनेट के 11 में से 5 मन्त्री चुनाव हार गए। 2012 में बीजेपी सरकार में प्रेम कुमार धूमल के 10 में से 4 मंत्री चुनाव हार गए। 2007 में वीरभद्र सिंह ने एक साल पहले विधानसभा चुनाव कराए, लेकिन उनकी कैबिनेट के 10 में से 6 मंत्री अपनी सीट हार गए। इसी तरह 2003 में बीजेपी के प्रेम कुमार धूमल की कैबिनेट के 11 में से 6 मंत्री जीत नहीं सके। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने सभी विधायकों को जीत के तुरंत बाद कांग्रेस दफ्तर आने को कहा है। वहां से उन्हें चंडीगढ़ ले जाने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस चुनाव जीतने वाले अपने सभी विधायकों को प्रदेश से बाहर दूसरे राज्यों में ले जा सकती है, ताकि इन्हें भाजपा नेताओं के संपर्क से दूर रखा जा सके।विधायकों को छत्तीसगढ़ या राजस्थान भेजा जा सकता है। ऐसी खबर है कि रायपुर के मेफेयर रिसॉर्ट को भी बुक कर लिया गया है, हालांकि अभी तक इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। मैनपुरी लोकसभा सीट पर डिंपल यादव ने रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा के रघुराज शाक्य को 2 लाख 88 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। सबसे ज्यादा उलटफेर आजम खान का गढ़ माने जाने वाले रामपुर में हुआ है। यहां 71 साल बाद कमल खिला है। भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने आजम के करीबी आसिम रजा को 25,703 वोटों से हरा दिया है।

चार तीर

-सुनील 'उत्सव'

"बून्दें" "कालिक" "हिमाचल" "गुजरात"

वोटों की बून्दें कम ही पड़ी, कोई यहाँ पड़ी, कोई वहाँ पड़ी।
कालिक की छींटे खूब उड़ी, कोई यहाँ पड़ी, कोई वहाँ पड़ी।
हाथों से हिमाचल फिसल गया, गुजरात ने भी फटकारा है,
झाड़ू की सींके बिखर गयी,कोई यहाँ पड़ी, कोई वहाँ पड़ी।

बड़ी चूक, वोटर लिस्ट में छपा लापता हिस्ट्रीशीटर का नाम

भोपा, 08 दिसम्बर (बु.)। भोपा लोकतंत्र प्रणाली को मजबूत बनाने के उद्देश्य से निष्पक्ष व आधुनिक प्रक्रिया अपनाकर चुनाव आयोग की ओर से लगातार प्रयास जारी है। फर्जी मतदान रोकने के प्रयासों के तहत फर्जी वोट बनाने को लेकर प्रशासन सख्त है। आमजन को सुरक्षित व भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने में पुलिस प्रशासन लगातार सतर्क है। इसी दौरान एक बड़ी प्रशासनिक चूक प्रकाश में आई है। भोपा थाना के लापता हिस्ट्रीशीटर का नाम वोटरलिस्ट में पाये जाने पर हड़कम्प मच गया है। नगर पंचायत भोकरहेड़ी में आगामी निकाय चुनाव को लेकर नवीन वोटर लिस्ट का प्रकाशन हो चुका है, जिसमें एक हिस्ट्रीशीटर जोकि लगभग दस वर्षों से भी अधिक समय से लापता है। हिस्ट्रीशीटर का नाम वोटर लिस्ट में छपने पर प्रशासन की बड़ी चूक सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बे के मौहल्ला नई बस्ती निवासी अफजाल उर्फ मोटा थाना भोपा का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिसकी तलाश पुलिस को है। अफजाल काफी समय से लापता है। अफजाल का मकान भी वर्षों पहले विक्रय हो चुका है। अफजाल के परिवार का कोई भी सदस्य अब भोकरहेड़ी में नहीं रहता है किन्तु अफजाल व उसकी पत्नी का नाम नवीन वोटर लिस्ट में छपा है। भोपा थाना के हिस्ट्रीशीटर बोर्ड पर 43ए पर दर्ज है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार सैनी ने बताया कि अफजाल पुत्र बशीर थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जो लापता है। पुलिस को उसकी तलाश है। वहीं नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुरजीत कुमार गौतम ने बताया कि किस कारण अफजाल व उसकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट में छपा है। उसकी जांच की जाएगी। अफजाल का नाम वोटर लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

श्रीराम कॉलेज ने मॉ शाकुम्भरी अंतरमहाविद्यालय योगा प्रतियोगिता में अपना परचम लहराया

मुजफ्फरनगर, 08 दिसम्बर (बुस.)। श्रीराम कॉलेज के बीवॉक(योगिक साइंस) विभाग के छात्रों ने मॉ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के अंतरमहाविद्यालय योगा प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुये बीवॉक (योगिक साइंस) विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. साक्षी शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालय योगा प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर योग एवं स्वास्थ्य विज्ञान, मुजफ्फरनगर में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालय की योगा टीमों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि श्रीराम कॉलेज के बीवॉक(योगिक साइंस) विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र हर्षपाल ने अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये अंतरमहाविद्यालय योगा व्यक्तिगत स्पर्धा

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा महाविद्यालय योगा टीम ने प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. एससी कुलश्रेष्ठ ने योगा विभाग एवं विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि श्रीराम कॉलेज के योग्य शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित छात्रों ने शहर में योग का बिगुल बजाया है, जोकि हमारे महाविद्यालय और जनपद के लिये गर्व की बात है। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के निदेशक डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि योग करने से शरीर के साथ-साथ मन और आत्मा भी शुद्ध होती है, जोकि मनुष्य को पूर्णता को दशार्ता है। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रेरणा मित्तल ने विजयी टीम को बधाई दी और उन्होंने खिलाड़ियों से आगे भी अपना अच्छा प्रदर्शन बनाये रखने तथा महाविद्यालय का नाम रोशन करते रहने के कामना की। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. विनीत कुमार शर्मा ने विजेता टीम का प्रोत्साहन बढाया। इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. साक्षी शर्मा, प्रवक्तागण सुनील कुमार, योगाचार्य सम्राट आदि उपस्थित रहे।

एसडी कॉमर्स में (गृह विज्ञान) के नवागुन्तक छात्राओं के लिये ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

मुजफ्फरनगर, 08 दिसम्बर (बुस.)। आज गृह विज्ञान विभाग में बीएससी तथा एमएससी के नवागुन्तक छात्राओं हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. सचिन गोयल, विभागाध्यक्षा नीतू गुप्ता, डॉ. रवि अग्रवाल विभागाध्यक्ष वाणिज्य संकाय, एकता मित्तल, डॉ. सौरभ जैन, संकेत जैन आदि के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके संयुक्त रूप से किया गया तथा सभी ने छात्राओं को कार्यक्रम की शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ. सचिन गोयल ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से नये छात्राओं को महाविद्यालय को जानने का अवसर मिलता है व महाविद्यालय में होने वाली शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक गतिविधियों,

का पता चलता है। कार्यक्रम का आरम्भ करते हुए सर्वप्रथम गृह विज्ञान के विभागाध्यक्षा नीतू गुप्ता ने सभी प्रवक्ताओं का परिचय छात्राओं से कराया व कायनात रिजवी को बीएससी तथा एमएससी पाठ्यक्रम को विस्तार से बताने के लिये मंच पर बुलाया। कायनात रिजवी ने सभी छात्राओं को बीएससी तथा एमएससी पाठ्यक्रम के तहत आने वाले सभी विषयों की विस्तारपूर्वक जानकारी छात्राओं को उपलब्ध कराई। तत्पश्चात विभागाध्यक्षा नीतू गुप्ता ने बीएससी तथा एमएससी पाठ्यक्रम को करने के बाद अपना कैरियर कैसे बना सकते हैं। इस विषय पर विस्तार से चर्चा की व छात्राओं का मार्गदर्शन किया साथ ही छात्राओं को महाविद्यालय में समय-समय पर होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. अनामिका वर्मा, अन्जु कुमारी, नीतू शर्मा, डॉ. मोहिनी पॅवार, यशु शर्मा, कायनात रिजवी, शिंवागी वशिष्ठ, पिंकी, पूजा मलिक, अपर्णा शर्मा, संकेत जैन, शुभम तायल आदि मौजूद रहे।

तानिया का विश्वविद्यालय योग गर्ल्स टीम में चयन

भोपा, 08 दिसम्बर (बु.)। भोपा कस्बा भोकरहेड़ी के किसान की बेटी तानिया चौधरी का योगासन में सराहनीय प्रदर्शन के बाद मां शाकुंबरी विश्वविद्यालय गर्ल्स योग टीम में चयन किया गया है, जो उड़ीसा भुवनेश्वर में होने वाली राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। कस्बे में लौटने पर छात्रा का ढ़ोल नगाड़ों बीच माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी निवासी किसान राजीव चौधरी की बेटी तानिया चौधरी एसवीएम योगा एंड हेल्थ साइंस कॉलेज से योगा से बीए कर रही है। बीते बुधवार को कॉलेज में मां शाकुंबरी विश्वविद्यालय की गर्ल्स योग टीम के लिए चयन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें श्रीराम कॉलेज, एसडी कॉलेज समेत कई कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। तानिया चौधरी के बेहतर प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय योग टीम में चयन किया गया, जिसके बाद छात्रा 26 से 29 दिसंबर तक उड़ीसा भुवनेश्वर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। तानिया गत 19 से 20 नवंबर को नोएडा में हुई तृतीय स्टेट योगासन स्पोर्टस चैंपियनशिप 2022 में प्रतिभाग कर चुकी है। देर शाम को कस्बे में लौटने पर छात्रा का ग्रामीणों ने ढ़ोल नगाड़ों के बीच माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान रामबीर, अश्वनी सहरावत, जयवीर सिंह, संजीव कुमार, दादी राजबाला, मां सीमा, बहन ईशा व भाई आशीष आदि मौजूद रहे।

मदन भैया की जीत सच्चाई की जीत है : बॉबी त्यागी इंद्रलोक

मुजफ्फरनगर, 8 दिसम्बर (बुस.)। सपा गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया के जीतने पर सपाइयों में खुशी की लहर दौड़ गई। सपा नेता बॉबी त्यागी इंद्रलोक के आवास कच्ची सड़क पर त्यागी समाज एवं सपा समर्थकों द्वारा खुशी का इजहार किया गया। इस अवसर पर मिठाई भी बांटी गई। सपा नेता बॉबी त्यागी इंद्रलोक ने कहा कि मदन भैया की जीत से राजनीति का एक नया इतिहास शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सच्चाई की जीत है।

श्री त्यागी विपक्षियों पर जमकर बरसे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज सपा और रालोद एवं भीम आर्मी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने मदन भैया के चुनाव में पूरी मेहनत की और त्यागी समाज ने भी मदन भैया का साथ दिया और उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि सपा के जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी के नेतृत्व में पूरी टीम ने मदन भैया के चुनाव में पूरी मेहनत की, जिसका यह परिणाम मिला। खुशी का इजहार करने वालों में विपिन त्यागी, बृजेश त्यागी, आकाश त्यागी, अमरीश त्यागी, परवेज राणा, अमित शेट्टी, रवि पाल, दीपक पाल, जॉनी भगत जी, सोनू सोनकर, आदित्य त्यागी, सौरभ त्यागी, प्रदीप त्यागी, जितेंद्र त्यागी, विपिन प्रधान रई सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मीरापुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति में करने की मांग

-अधिवक्ता ने आरक्षण को लेकर आपत्ति दर्ज कराई

मीरापुर, 8 दिसम्बर (बु.)। नगर पंचायत मीरापुर का आरक्षण घोषित होने के बाद सीट अनारक्षित कोटे में आई है, जिसके बाद अध्यक्ष पद को अनुसूचित जाति में करने की मांग करते हुए अधिवक्ता ने आपत्ति दर्ज कराई है। कस्बे के मौहल्ला कोटला निवासी अधिवक्ता मनोज सौदाई ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग लखनऊ को लिखित आपत्ति भेजकर अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित करने की मांग करते हुए कहा कि मीरापुर कस्बे में अनुसूचित जाति के बहुमत है, किन्तु देश की आजादी के बाद से जितने भी अध्यक्ष नगर पंचायत मीरापुर के चुनाव हुए है, उसमें सामान्य वर्ग या महिला के लिए ही अध्यक्ष का पद ही आरक्षित किया गया है। अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए कभी भी आरक्षित नहीं किया गया है, जिससे अनुसूचित जाति वर्ग को नगर पंचायत मीरापुर में अध्यक्ष पद पर आज तक प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। वर्ष 2022 में जो अधिसूचना जारी की गई है, उसमें भी अध्यक्ष पद सामान्य वर्ग के लिए किया गया है, जबकि नगर में 16 वार्ड है, जिनमें काफी संख्या में अनुसूचित जाति रहती है, ऐसी परिस्थितियों में नगर पंचायत मीरापुर का अध्यक्ष पद सामान्य वर्ग से बदलकर अनूसूचित जाति के लिए आरक्षित किया जाए। अधिवक्ता मनोज सौदाई ने बताया कि आंकड़ों के आधार पर अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होना चाहिए। अध्यक्ष पद पर आपत्ति दर्ज होने से अध्यक्ष पद के वर्तमान दावेदारों में खलबली मच गयी है।

जहरीला बिस्कुट खिलाकर लूटा

मुजफ्फरनगर, 08 दिसम्बर (बु.)। एक युवक को जहर खुरानी गिरोह ने जहरीला बिस्कुट खिलाकर लूट लिया। पीड़ित को उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि छपार थाना क्षेत्र के गांव परई निवासी सन्नी पुत्र विनोद बस में सवार होकर कहीं जा रहा था। खतौली बस स्टेंड पर जहर खुरानी गिरोह ने उसे जहरीला बिस्कुट खिलाकर लूट लिया। वह खतौली रोडवेज बस स्टेंड पर बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शामली रोड पर हटवाया अतिक्रमण

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। आबकारी व शामली स्टैंड चौकी पुलिस ने अपनी टीम के साथ शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए हनुमान चौक से लेकर शिव चौक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। आबकारी पुलिस चौकी प्रभारी देवपाल सिंह व शामली स्टैंड चौकी प्रभारी ललित शर्मा ने पैदल गस्त के दौरान सड़कों पर अपनी दुकानों के बाहर समान लगाकर वाहनों की आवाजाही में व्यवधान पैदा कर रहे दुकानदारों को चेतावनी देते हुए अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का सामान हटवाया तथा वही ऐसे दुकानदारों को फुटपाथ पर कब्जा नहीं करने की चेतावनी दी और साफ तौर पर कहा कि यदि दोबारा फुटपाथ पर कब्जा कर दुकान लगाते हैं तो ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की सख्ती को देखते हुए दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर रखे हुए सामान को हटा लिया।

S.D. COLLEGE OF COMMERCE
(Affiliated to Maa Shakumbhari University, Saharanpur)
BHOPA ROAD, MUZAFFARNAGAR
FACULTY REQUIRED
M.Com. B.Com.
M.Sc.(Home Sc.) B.Sc.(Home Sc.) B.Sc.(Micro Bio)
B.A. (Economics, Geography, Sociology, Hindi, History, English, Political Science)
B.Sc. (Physics, Chemistry, Maths, Zoology, Botany)
Eligibility & Salary :- As per University Norms
Interested candidates can mail their resume within 07 days of publishing of the advertisement to :
sdccmzn819@gmail.com
or Contact at- 9897690116, 8937095013

REQUIRED
Golden opportunity offered to talented candidates in a Leading Publication
PROOF READERS/EDITORS
(Min. Qualification : B.Sc./M.Sc.)
DTP OPERATORS
(Experienced Candidates)
(ATTRACTIVE SALARY)
(Meet with Resume)
Meet On : Sunday to Friday
Time : 11:00 AM to 05:00 PM
email : hr.mznoffice@gmail.com
Contact No. : 8171831119
G.R. BATHLA & SONS
(A Leading Publishing Company)
Opp. - Vikas Bhawan, Meerut Road, Muzaffarnagar (U.P.)

रामपुर में 20वें चुनाव में भाजपा को मिली जीत

रामपुर , 8 दिसंबर (वार्ता)। रामपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा के आकाश सक्सेना ने सपा प्रत्याशी आसिम राजा को 34136 वोटों से शिकस्त दी है। रामपुर सीट पर पहली बार कमल खिलने से आजम खां के जरिये की गई सपा की सियासी किलेबंदी ध्वस्त हो गई। नफरती भाषण के आरोप में कोर्ट से सजा होने पर आजम खां की विधायकी जाती रही थी। इसके बाद रामपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में पांच दिसंबर को मतदान हुआ था। उपचुनाव में 387528 मतदाताओं में से 131515 ने ही अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। इसके चलते इस बार रामपुर का वोट प्रतिशत 33.94 फीसदी पर सिमट गया था, जो रामपुर के चुनावी इतिहास में सबसे कम मत औसत है। बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे मंडी समिति में वोटों की गिनती शुरू हुई। पहले 20 राउंड की गिनती में सपा के प्रत्याशी आसिम राजा बढ़त बनाए रहे लेकिन 21वें राउंड से तस्वीर बदलने लगी। इसके बाद हर राउंड में आकाश के वोटों का आंकड़ा बढ़ता गया। 28वें राउंड के बाद सपा प्रत्याशी आसिम राजा मतगणना स्थल से चले गए। 33वें राउंड की गिनती के बाद 34136 वोटों से आकाश सक्सेना को विजेता घोषित किया गया। आकाश सक्सेना को 81432 वोट मिले। सपा के आसिम राजा के खाते में 47296 वोट आए। 726 वोट लेकर नोटा ने तीसरे स्थान पर जगह बनाई। इस चुनाव में भाजपा से आकाश सक्सेना, सपा से आसिम राजा समेत कुल 10 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। रामपुर विधानसभा सीट पर अब तक 18 बार चुनाव और दो बार उपचुनाव हुए हैं। यह उपचुनाव रामपुर सीट का 20वां चुनाव है। इन चुनावों में 10 बार आजम खां ने और एक उपचुनाव में उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा ने जीत हासिल की है। वर्ष 2002 के बाद यह पहला मौका है जब इस सीट पर चुनाव में आजम खां या उनके परिवार से कोई उम्मीदवार नहीं है। अदालत से सजा के बाद चुनाव लड़ने और वोट डालने पर पाबंदी के नियम के चलते आजम खां के करीबी आसिम राजा को सपा का उम्मीदवार बनाया गया था। इस सीट पर आजम खां ने 1980 से 1993 तक लगातार पांच बार चुनाव जीते। 1996 के विधानसभा चुनाव में आजम खां को दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा था। इससे पूर्व 1977 के अपने पहले चुनाव में भी उन्हें हार मिली थी। वर्ष 2002 से 2022 के पांच विधानसभा चुनावों में आजम खां ने फिर लगातार पांच बार जीत हासिल की थी। 2019 में आजम खां रामपुर लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए थे। इसके बाद उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा ने जीत हासिल की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में जेल रहते हुए आजम खां ने चुनाव लड़ा था और लगभग 55 हजार वोटों से जीत हासिल की थी। इस चुनाव में उनके मुकाबले पर भाजपा से आकाश सक्सेना थे।

रामपुर के अब तक के विधायक

1952	फजलुल हक - कांग्रेस
1957	असलम खां - निर्दलीय
1962	बेगम किश्वर आरा - कांग्रेस
1967	अख्तर अली खां - स्वतंत्र पार्टी
1969	मुर्तजा अली खां - कांग्रेस
1974	मंजूर अली खां - कांग्रेस
1977	मंजूर अली खां - कांग्रेस
1980	आजम खां - जनता पार्टी (एस)
1985	आजम खां - लोकदल
1989	आजम खां - जनता दल
1991	आजम खां - जनता पार्टी
1993	आजम खां - सपा
1996	अफरोज अली खां - कांग्रेस
2002	आजम खां - सपा
2007	आजम खां - सपा
2012	आजम खां - सपा
2017	आजम खां - सपा
2019	तजीन फात्मा - सपा (उपचुनाव)
2022	आजम खां - सपा
2022	आकाश सक्सेना - भाजपा (उपचुनाव)

मदन भैया की जीत पर रालोद में दिखा जोश जमकर मनाया जश्न

मुजफ्फरनगर 8 दिसंबर (बु.)। गुरूवार को नवीन मंडी स्थित मतगणना स्थल पर गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया की जीत के बाद सपा रालोद और आजपा कार्यकर्ताओं का जोश दोपहर बाद देखते ही बना। जैसे-जैसे खतौली विधानसभा में गठबंधन प्रत्याशी की जीत का आंकड़ा राउंड वार बढ़ता रहा, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ता गया। दोपहर बाद बढ़ते आंकड़ों के बीच रालोद कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और मिष्ठान वितरित किया। खतौली विधानसभा उपचुनाव में रालोद सपा आसपा के संयुक्त प्रत्याशी मदन भैया की जीत पर गुरूवार को कूकड़ा नवीन मंडी ब्लॉक चौराहे पर रालोद कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता कृष्णपाल राठी चेयरमैन के नेतृत्व में हरेंद्र ताऊ, सुधीर भारतीय, सतीश बालियान प्रधान, अनूप प्रधान आदि सैकड़ों लोगों ने गुड़ बांटकर खुशियां मनाई। इस दौरान रालोद कार्यकर्ताओं ने जयंत चौधरी जिंदाबाद अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान रालोद कार्यकर्ताओं ने गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया की जीत को बुराई पर अच्छाई की जीत बताया। इसके अलावा रालोद कार्यालय पर भी गुरूवार को गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया की जीत पर आतिशबाजी करने के साथ लड्डू वितरित कर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में रालोद कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

खतौली की हार के चलते भूपेंद्र चौधरी का शामली दौरा रद्द

शामली, 8 दिसम्बर (बु.)। खतौली विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी की हार के चलते प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का शामली शहर आगमन का कार्यक्रम स्थगित हो गया। इससे नगर निकाय चुनाव में लगे भाजपा नेताओं को मायूसी हाथ लगी है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का 8 दिसंबर का कार्यक्रम जारी किया गया था। कार्यक्रम के तहत यूपी भवन, दिल्ली से प्रातः 9 बजे भूपेंद्र चौधरी को शामली के ग्राम लिसाढ़ के लिए रवाना होना था। यहां पूर्वाह्न 11 बजे पहुंचकर गठवाला खाप के चौधरी बाबा राजेंद्र मलिक की बेटी प्रियंका के वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होना प्रस्तावित था। प्रदेशाध्यक्ष अपराह्न करीब 2.45 बजे गांव लिसाढ़ पहुंचे। वर-वधू को आशीर्वाद दिया और करीब 3:15 बजे वापस मेरठ के लिए रवाना हो गए। हालांकि प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के 3 घंटे के कार्यक्रम शामली शहर में भी प्रस्तावित थे।

जैन कन्या इंटर कॉलेज में स्वेटर वितरित करते लायंस क्लब दिव्य के पदाधिकारीगण। -फोटो बुलेटिन

लायंस क्लब दिव्य ने छात्राओं को बांटे स्वेटर और जूते

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। लायंस क्लब मुजफ्फरनगर दिव्य की ओर से नई मंडी पटेलनगर स्थित जैन कन्या इंटर कालेज में छात्राओं को स्वेटर और जूते वितरित किये गये। यह सेवा कार्य क्लब द्वारा अपनी जारी सेवाओं के क्रम में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एमजेएफ लायन रजनीश गोयल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं पीएमजेएफ लायन विनय कुमार मित्तल पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उपस्थित रहे तथा उनके द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। लायन्स क्लब दिव्य के मुख्य पैटर्न एमजेएफ लायन गिरीश अग्रवाल द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि क्लब द्वारा लगभग 600 छात्राओं को स्वेटर एवं जूतों का वितरण किया गया। क्लब के अध्यक्ष लायन सुनील कुमार जैन ने सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत एवं धन्यवाद किया। इस अवसर पर सचिव लायन सुलेख कुमार मित्तल एवं ट्रेजरार लायन अमित गोयल ने कहा कि यह सेवा कार्य भविष्य में और तेजी से करने के लिये क्लब के सदस्यों को कहा है। इस अवसर पर लायन्स क्लब उन्नति से लायन अजय अग्रवाल, लायन अनिल कुमार बिन्दल, लायन रजन

बाहुबली चला न दंगा, भारी पड़ा कवाल का पंगा

▶ खतौली उपचुनाव के संग्राम में जनता ने सरकार की पूरी फौज को नकारा
▶ विक्रम सैनी के रवैये से नाराजगी और भाजपा की भीतरघात ने दिया झटका

-राकेश शर्मा-

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। खतौली उपचुनाव में भाजपा का जीत की हैट्रिक लगाने का सपना आखिरकार टूट गया। चुनावी संग्राम में दंगा, बाहुबलि, अपराधी, बाहरी के मुद्दे को खूब हवा भी दी, लेकिन कवाल भाजपा के लिए किसी पंगे से कम साबित नहीं हुआ। पहले इसी कवाल के बवाल में फंसे विक्रम सैनी की विधायकी गई और अब हार ने पैरों तले से सियासी जमीन खिसका दी। चुनाव जीतने को उतारी गई मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों की फौज भी रालोद-सपा प्रभुत्व के आगे बौनी साबित हुई।

खतौली उपचुनाव में भाजपा के विजयी रथ को रोककर रालोद-सपा गठबंधन अभेद्य दुर्ग को ध्वस्त करने में कामयाब रहा है। बीते दो चुनावों से यहां से भाजपा विधायक विक्रम सैनी जीत हासिल करते आ रहे थे। कवाल के मुकदमे में हुई दो साल की सजा के कारण सैनी की विधायकी जाने के बाद भाजपा ने खतौली सीट पर घोषित हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी पूर्व प्रधान राजकुमारी सैनी को उतारकर जीत की हैट्रिक लगाने का सपना संजोया था। रालोद गठबंधन की ओर से पूर्व विधायक मदन भैया सामने थे। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने मदन भैया की घेराबंदी को कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी थी। आपराधिक कुंडली उछालने के साथ बाहुबलि, बाहरी जैसे मुद्दों को हवा देकर मदन भैया को कमजोर करने की भरसक कोशिश की गई। जिले के नेताओं से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक ने कवाल कांड, दंगा और बहू बेटियों के सम्मान का मुद्दा उछालकर लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की। यही नहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को मैदान में उतारा गया। प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने भी चुनाव में रंग डालने की कोशिश की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी भी सजातीय मतों को प्रभावित करने के लिए दो बार भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार के लिए यहां आये। क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल भी केन्द्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल के साथ क्षेत्र में डेरा जमाये रहे। मतगणना के बाद जनता जनार्दन ने अपने जनादेश में भाजपा के तमाम मुद्दों को दरकिनार कर बाहुबलि के रूप में मशहूर किये गये मदन भैया के सिर पर जीत का सेहरा बांध दिया। चुनाव नतीजा ऐसा आया कि भाजपा के तमाम समीकरण ध्वस्त होते चले गये। क्योंकि भाजपा का यह ऐसा सियासी गढ़ था, जहां पर विपक्ष के लिए सेंधमारी नामुमकिन मानी जाती थी। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि 2013 के दंगों के बाद हुए चार चुनावों में भाजपा खतौली सीट पर अजेय रही है। भाजपा के नेताओं की फौज के आगे एकमात्र रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी अकेले खड़े नजर आये। मैनपुरी उपचुनाव में व्यस्त होने के कारण सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी उनका प्रचार में साथ नहीं दे पाये। बसपा के चुनाव न लड़ने की घोषणा के बाद जयंत चौधरी ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से हाथ मिलाकर ऐसा तुरुप का पत्ता चला कि भाजपा को चारों खाने चित्त होने का अहसास तक नहीं होने दिया। भाजपा को उम्मीद थी कि कवाल का बवाल तीसरी बार चुनाव जिताने में मददगार बनेगा। विक्रम सैनी की सदस्यता जाने के बाद भाजपा ने यही बताने की कोशिश की कि विक्रम सैनी ने अपनी विधायकी बहू बेटियों के सम्मान में लड़ी लड़ाई में गंवाई है। मतों के ध्रुवीकरण की तमाम कोशिश भी हुई, मगर इन मुद्दों से ऊब चुकी जनता जनार्दन ने जो संदेश दिया, वो भाजपा की नींद हराम करने वाला है। रालोद गठबंधन ने यह सीट उस समय छीनी है, जब निकाय चुनाव सिर पर हैं और 2024 के चुनावों पर टारगेट लगा हुआ है। कुल मिलाकर खतौली उपचुनाव के जनादेश को देखकर यही कहा जा सकता है कि जिस कवाल के सियासी मुद्दे के जरिये भाजपा को यहां पर लगातार जीत मिली, कवाल का वही मुद्दा यहां पर भाजपा के लिए पंगा बन गया। इस चुनाव में भाजपा द्वारा प्रचारित किये गये बाहुबलि और दंगे के मुद्दे को जनता ने न केवल नकारा, बल्कि हार की माला पहनाकर बड़ा सियासी संदेश भी दिया।

मतगणना में गड़बड़ी की अफवाह के बाद हंगामा करते रालोद समर्थक

मतगणना के लिए ईवीएम ले जाते कार्मिक

मतगणना स्थल पर तैनात सुरक्षाबल

जीत के बाद विजयी चिह्न दिखाते मदन भैया

पत्रकारों से वार्ता करते रालोद के विजयी विधायक

चिंता भरे चेहरे : मतगणना के दौरान मंत्री व पूर्व विधायक

रालोद कार्यालय पर जमें जिलाध्यक्ष , विधायक व अन्य नेता

मतगणना स्थल पर तारबंदी के बीच ईवीएम से गणना करते कर्मचारी

दलितों को भाजपा के खेमे से खींचने में कामयाब रहे चंद्रशेखर

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। खतौली उपचुनाव की जंग में दलित मतदाताओं के यू-टर्न ने भाजपा के पूरे सियासी गणित को बिगाड़ दिया है। भाजपा कुछ भी कहे, लेकिन रालोद के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर तुरुप का पत्ता साबित हुए। कुल मिलाकर

खतौली की सियासी जंग में दलितों के यू-टर्न ने बिगाड़ा भाजपा का पूरा खेल

चंद्रशेखर का जादू दलितों को भाजपा से खींचकर गठबंधन के खेमे तक पहुंचाने में कामयाब रहा।

खतौली के सियासी संग्राम में दलितों को पहले दिन से ही निर्णायक माना जा रहा था, क्योंकि उपचुनाव में बसपा की ना के बाद भाजपा और रालोद-सपा गठबंधन दलित वोट बैंक पर निगाहें गड़ाये बैठा था। भाजपा ने दलितों को साधने के लिए तमाम दलित नेताओं और सरकार में दलित जनप्रतिनिधियों को मैदान में उतार दिया था। केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान और राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल के अलावा पूर्व मंत्री और भाजपा के दलित चेहरे डॉ. यशवंत सिंह के साथ ही भाजपा विधायक देवेन्द्र निम, पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल भी खतौली क्षेत्र के दलित बाहुल्य इलाकों में लगातार जनसम्पर्क करते हुए इस वोट बैंक को साधने में जुटे रहे, लेकिन रालोद प्रमुख ने चुनाव के बीच में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से हाथ मिलाकर भाजपा के सामने एक बड़ी चुनौती पेश करने का काम किया। चंद्रशेखर के गठबंधन के साथ आ जाने के बाद खतौली चुनाव की यह जंग दलित मतदाताओं की खींचतान के कारण रोचक हो गई थी। लोगों की निगाह इस बात पर थी कि बसपा की गैर मौजूदगी में दलित वोटर के बीच चंद्रशेखर का प्रभाव कैसा रहेगा? इसका जवाब चुनावी नतीजों में सामने आया है।

भाजपा को यहां के दलित इलाकों से काफी उम्मीदें थीं। यही कारण था कि शुरूआती दौर में रालोद की बढ़त हुई तो भाजपा नेता यही कहते रहे कि अब अपने गढ़ आने वाले हैं। एक एक कर तमाम इलाके खुलते चले गये तो भाजपा नेताओं का सारा मुगालता ही दूर होता चला गया। दलित इलाकों में भी रालोद उम्मीदवार को -ोली भरकर वोट मिलती रही। जिसका नतीजा यह हुआ कि जीत का अंतर लगातार बढ़ता चला गया। चुनाव नतीजों से साफ हो गया है कि चंद्रशेखर का जादू दलितों के सिर चढ़कर बोला है। कुल मिलाकर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी की यह रणनीति बेजोड़ साबित हुई और भाजपा चाहकर भी कुछ नहीं कर पाई।

मतगणना स्थल में गड़बड़ी की आशंका पर हंगामा, संजीव बालियान के खिलाफ नारेबाजी

▶ आक्रोशित भीड़ को पुलिस ने समझा-बुझाकर किया शांत

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। खतौली उपचुनाव के आये परिणामों के बाद जब रालोद उम्मीदवार मदन भैया भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी के मुकाबले में लगातार बढ़त पर कायम रहे तो इसी बीच एक अफवाह ने हंगामा खड़ा कर दिया। मतगणना में गड़बड़ी की आशंका को लेकर रालोद प्रत्याशी के समर्थकों ने मतगणना स्थल के पास ही जमा होकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और केन्द्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान के खिलाफ नारेबाजी होने पर तनाव उत्पन्न होने लगा तो पुलिस अफसरों ने सम-ा बु-ाकर मामला शांत किया। हुआ यूं कि मतगणना के दौरान जब रालोद-सपा गठबंधन के प्रत्याशी मदन भैया लगातार भाजपा के खिलाफ बढ़त पर रहे तो भाजपा के खेमे में बैचेनी का आलम नजर आ रहा था। इसी बीच अफवाह फैल गई कि समर्थकों के साथ केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान मतगणना स्थल में अंदर प्रवेश कर रहे हैं। इसी अफवाह पर मतगणना में गड़बड़ी की आशंका को लेकर रालोद प्रत्याशी मदन भैया के समर्थक भी मतगणना स्थल के आसपास ही एकत्र हो गए। इन समर्थकों ने वहां पर संजीव बालियान के खिलाफ नारेबाजी भी शुरू कर दी थी। इसके बाद टकराव की आशंका को देखते हुए पुलिस फोर्स भी सक्रिय हो गया था। रालोद समर्थकों ने भी मतगणना स्थल के अंदर प्रवेश करने का प्रयास किया तो पुलिस फोर्स ने उनको रोक लिया। यहां पहुंचे पुलिस अफसरों ने प्रदर्शनकारी समर्थकों को मतगणना के निष्पक्ष जारी रहने की जानकारी देते हुए उनको सम-ा बु-ाकर शांत किया। इसके बाद हंगामा बंद हुआ। सपा-रालोद के साथ खतौली उपचुनाव में गठबंधन करने वाले आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदीश पाल ने इस हंगामे के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि यहां पर उनको मतगणना में गड़बड़ी कराये जाने की सूचना मिली, जिसके बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हंगामा शुरू किया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी नहीं होने दी जायेगी। हमारा -ंडा और डंडा दोनों ही मजबूत हैं।

भाजपा उम्मीदवार को एक बार भी नहीं मिली बढ़त

▶ शुरूआती दौर से लेकर आखिर तक रालोद उम्मीदवार मदन भैया का रहा दबदबा ▶ मतगणना के 27 राउंड में केवल 07 बार भाजपा उम्मीदवार को ज्यादा मत तो मिले, लेकिन मदन भैया को नहीं पछाड़ पाई

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। खतौली उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार राजकुमारी सैनी का यह चुनावी हश्र किसी ने नहीं सोचा था। पहले राउंड से लेकर आखिरी राउंड की मतगणना तक रालोद उम्मीदवार मदन भैया का ही दबदबा रहा। हर बूथ पर भागीदारी के चलते मदन ने राजकुमारी सैनी को एक बार भी बढ़त लेने का मौका नहीं दिया, हालांकि मतगणना के दौरान 27वें राउंड तक चली गिनती में 07 बार भाजपा उम्मीदवार आगे तो निकली, लेकिन अंतर इतना ज्यादा था कि उसे पार करना उनके लिए मुमकिन नहीं हो सका। कूकडा मण्डी में मतगणना थोड़ा देरी से शुरू हुई, लेकिन जिस तरह के परिणाम आये, उससे भाजपा जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों की जमीन खिसकती चली गयी। रालोद उम्मीदवार मदन भैया ने पहले राउंड में ही 1387 मतों की बढ़त हासिल की थी। दूसरे राउंड में यह अंतर 4030 मतों का हो गया था। छठे राउंड तक रालोद प्रत्याशी मदन भैया भाजपा की राजकुमारी सैनी के खिलाफ लगातार ज्यादा वोट हासिल करते रहे। सातवें राउंड की मतगणना में भाजपा उम्मीदवार राजकुमारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले 370 मत अधिक पाये। आठवें राउंड में यह संख्या 791 तक पहुंच गई, लेकिन नौवें राउंड की मतगणना में आगे निकलते हुए मदन भैया 8534 की लीड लेने में कामयाब हो गये। राउंड 13, 14, 16, 17 और 20 की मतगणना में भी भाजपा उम्मीदवार राजकुमारी सैनी ने रालोद उम्मीदवार से ज्यादा मत प्राप्त किये, लेकिन वो एक बार भी बढ़त के अंतर को पार नहीं कर पाई। लगातार मदन भैया बढ़त को बढ़ाते चले गये। 15वें राउंड की मतगणना तक भाजपा को कुछ उलटफेर होने की उम्मीद थी, लेकिन पहले चुनाव में भाजपा के गढ़ रहे बूथों में भी रालोद उम्मीदवार मजबूती से उभरते चले गये। 19वां राउंड होने के बाद तो भाजपा की उम्मीदें मदन भैया की लीड के अंतर को देखते हुए दम तोड़ती नजर आने लगी थी। इसके बाद तो एक एक कर भाजपा नेता मतगणना स्थल के आसपास से छंटने शुरू हो गये थे। कुछ देर बाद भाजपा प्रत्याशी भी निराश मन से प्रस्थान कर गई। 25वें राउंड की मतगणना तक मदन भैया 17830 मतों से विजयी लीड बना चुके थे। 27वें अंतिम राउंड की मतगणना में मदन भैया ने भाजपा उम्मीदवार को 22 हजार 165 मतों के अंतर से हराकर भाजपा के गढ़ को जीत लिया। कुल मिलाकर मतगणना में एक बार भी भाजपा को आगे निकलने का गौरव नहीं मिला। जाहिर तौर पर चुनाव मैनेजमेंट में लगे भाजपा संगठन के लिए यह किसी -ाटके से कम नहीं है।

खतौली विधानसभा उपचुनाव-2022 चक्रवार परिणाम

राउंड	(आरएलडी)	(आरएलडी)	(बीजेपी)	(बीजेपी)	अन्तर
1	3803	3803	2416	2416	1387
2	4085	7888	1442	3858	4030
3	3211	11099	2358	6216	4883
4	4296	15395	3154	9370	6025
5	3922	19317	2100	11470	7847
6	4007	23324	2998	14468	8856
7	3142	26466	3512	17980	8486
8	2888	29354	3679	21659	7695
9	3561	32915	2722	24381	8534
10	3811	36726	2418	26799	9927
11	3840	40566	2529	29328	11238
12	3802	44368	2921	32249	12119
13	3139	47507	3871	36120	11387
14	3275	50782	4875	40995	9787
15	4283	55065	2342	43337	11728
16	3412	58477	3813	47150	11327
17	2503	60980	2639	49789	11191
18	4206	65186	1944	51733	13453
19	3368	68554	3351	55084	13470
20	2557	71111	2892	57976	13135
21	3174	74285	2838	60814	13471
22	2782	77067	3817	64631	12436
23	4155	81222	2902	67533	13689
24	5256	86478	1966	69499	16979
25	3853	90331	3002	72501	17830
26	5639	95970	1415	73916	22054
27	1101	97071	990	74906	22165

जयंत नहीं मनाएंगे जश्न

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। जयंत चौधरी ने एक ट्वीट में खतौली की जीत का जश्न न मनाने की बात कही है। जयंत ने ट्वीट में लिखा, "खतौली और मैनपुरी में जिस तरह सबका साथ मिला बहुत खुशी हुई और ये सर्व समाज में समरसता के अच्छे संकेत हैं! रामपुर में लोकतांत्रिक मूल्यों का जिस तरह गला घोटा गया है उससे आहत हूं। जीत का जश्न नहीं मनाऊंगा!"

चंद्रशेखर ने भी एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, "मैंने खतौली की जनता से अपने जन्मदिन का तोहफा मांगा था। खतौली की जनता ने मदन भैय्या को जिताकर वह तोहफा मुझे दे दिया है। आपके प्यार और समर्थन से हम इसी तरह भाईचारे को कायम रखकर सदैव नफरत को हराते रहेंगे।

अब मिलकर खाएंगे कलाकंद

जीत के बाद जयंत और चंद्रशेखर के बीच हुई ये डील

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। खतौली विधानसभा के उपचुनाव में सपा-रालोद और आसपा गठबंधन के प्रत्याशी मदन भैया की जीत के बाद रालोद प्रमुख जयंत सिंह गदगद हैं। उन्होंने इसे अच्छा संकेत बताते हुए आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद को उत्तर प्रदेश में गठबंधन की जीत के लिए बधाई देते हुए कलाकंद खिलाने का न्यौता दिया है। चंद्रशेखर ने कहा कि साथ मिलकर ही खाएंगे। खतौली सीट पर मदन भैया की जीत के बाद जयंत सिंह ने चंद्रशेखर को टेग करते हुए ट्वीट में लिखा, @BhimArmyChief को उत्तर प्रदेश में गठबंधन की जीत के लिए मेरे तरफ से कलाकंद बकाया है!" चंद्रशेखर में जवाब में लिखा, "बिल्कुल @jayantrld भाई, कलाकंद तो बकाया है, लेकिन अब साथ मिलकर ही खाएंगे।"

अंजू अग्रवाल ने 12 को बोर्ड बैठक बुलाने को कहा

ईओ के हाईकोर्ट में पेशी के चलते लौटने की उम्मीद नहीं

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। पालिकाध्यक्ष की कुर्सी हाईकोर्ट के आदेश पर संभालने के बाद अंजू अग्रवाल के लिए यह कुर्सी केवल दिखावे का पद बन कर रह गई है। पालिकाध्यक्ष ने ईओ को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन यानि 12 दिसंबर को बोर्ड बैठक बुलाने के लिए एजेंडा जारी करने के लिए अधिशासी अधिकारी को लिखा है, लेकिन राजकाज से लखनऊ और इलाहाबाद हाईकोर्ट के चक्कर काट रहे ईओ के अभी लौटने की संभावना नहीं है। पालिकाध्यक्ष का कार्यकाल 12 दिसंबर को खत्म हो जाएगा। इससे पहले चुनाव की अधिसूचना भी जारी हो सकती है। हालांकि चेयरमैन चाहती हैं कि बोर्ड बैठक बुलाकर वे अपने मन की बात कह सकें। उन्होंने इसके लिए ईओ को पत्र लिख 12 दिसंबर को बैठक बुलाने और बैठक का एजेंडा तैयार करने को कहा है। हालांकि ईओ हेमराज सिंह लखनऊ और प्रयागराज की चक्कर लगा रहे हैं। एक मामले में आज उनकी हाईकोर्ट में पेशी थी। एक अन्य मामले में उन्हें फिर पेश होना है। ऐसे में लग रहा है कि उनके 12 दिसंबर तक लौटने की संभावना नहीं है। ऐसे में चेयरमैन के पास एक ही रास्ता है कि वे बिना एजेंडे के बोर्ड की बैठक आहूत कर सकती हैं।

834 मतदाताओं को नहीं भाया कोई भी प्रत्याशी दबाया नोटा का बटन

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। जनपद मुजफ्फरनगर में बीते दिनों कोर्ट के आदेश पर विधायकी गवां बैठे विक्रम सैनी की सीट पर राज्य चुनाव आयोग द्वारा 5 दिसंबर को हुई मतदान के बाद गुरूवार को मतगणना संपन्न कराई गई, इस सीट पर भाजपा पार्टी हाईकमान ने विधायक रहे विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमार सैनी को अपना प्रत्याशी घोषित किया था, वहीं दूसरी ओर सपा रालोद और आसपा गठबंधन की ओर से लोनी के पूर्व विधायक मदन भैया को अपना प्रत्यक्ष बनाया। उपचुनाव में भाजपा ने हैट्रिक लगाने के लिए मंत्रियों की पूरी फौज के साथ प्रदेश से जिला आज तक तक के पदाधिकारियों को उतार दिया, लेकिन तमाम राजनीतिक दांवपेंच खतौली मतदाताओं को अपने निर्णय से डिगा नहीं पाए, जिसका खामियाजा भाजपा को यहां से अपने प्रत्याशी की हार के साथ सीट गंवाने के साथ चुकाना पड़ा। गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया को जहां 97071 मत प्राप्त होने पर विजयी घोषित किया गया, वहीं दूसरी ओर भाजपा की प्रत्याशी राजकुमारी को 74906 मतों पर सब्र करना पड़ा और वह गठबंधन प्रत्याशी से चुनाव हार गई। इस चुनाव में बड़ी बात यह रही कि जहां एक और मतदाताओं ने अन्य तमाम प्रत्याशियों को सिरे से नकार दिया। मात्र 2 प्रत्याशियों को छोड़ दें तो इस चुनाव में खतौली क्षेत्र के मतदाताओं ने किसी को भी 4 अंकों तक जाने का मौका ही नहीं दिया। गुरूवार को घोषित हुए चुनाव नतीजे राउंड वार गणना के बाद जहां 834 मतदाताओं में किसी भी प्रत्याशी को पसंद ना करते हुए नोटा का बटन दबाते हुए अपने लोकतंत्र के अधिकार का प्रयोग किया, वहीं दूसरी ओर खतौली विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी देवी को छोड़ दिया जाए, तो अन्य सभी प्रत्याशी इस चुनाव में 4 अंकों तक पहुंच पाने में विफल रहने के साथ अपनी जमानत भी गवां बैठे। गुरूवार को आए खतौली विधानसभा उपचुनाव के नतीजों में यशपाल सिंह 477, रमेश 1847, निर्मल प्रताप सिंह 522, प्रदीप कुमार 108, प्रमोद आर्य 1803, यजपाल सिंह राशि 123, मोहम्मद यूसुफ 164, वकार 147, संतोष 712, सुदेश 240, सुरेशवती 148, राजीव कुमार 486 मत प्राप्त कर अपनी जमानत जब करा बैठे।

2024 में सही समय आने पर देंगे संजीव बालियान के आरोपों का जवाब

▶ निर्वाचित होने के बाद विधायक मदन भैया बोले-सत्ताधारी नेताओं ने बहुत कुछ कहा, लेकिन एक कान से सुना, दूसरे से निकाला ▶ मुजफ्फरनगर के वैभवशाली भाईचारे को समर्पित की अपनी जीत, कहा-इसे कायम रखना मेरी प्राथमिकता

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। खतौली विधानसभा से निर्वाचित होने के बाद रालोद विधायक मदन भैया ने कहा कि सही समय आने पर 2024 में सांसद संजीव बालियान के तमाम आरोपों का जवाब देंगे। सत्ताधारी नेताओं ने बहुत कुछ कहा, लेकिन उन्होंने एक कान से सुनकर दूसरे कान से उसको निकाल दिया। विधायक भैया ने कहा कि मुजफ्फरनगर के वैभवशाली भाईचारे को बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उनकी जीत किसानों, कमेरों और अल्पसंख्यकों को समर्पित है।

मतगणना में जीत के बाद बाहर आये रालोद विधायक मदन भैया और उनके समर्थक जोश से लबालब नजर आये। मीडिया से बात करते हुए मदन भैया ने कहा कि यह जीत किसानों, कमेरों, मजदूरों और अल्पसंख्यकों की बदौलत मिली है। उनका प्रयास रहेगा कि इलाके की जनता को कोई जरा सी भी तकलीफ न पहुंचा पाये। हमने शुरू से ही किसानों, मजदूरों और भाईचारे की राजनीति की है, आगे भी इसी नीति पर चलकर मुजफ्फरनगर जिले के भाईचारे को मजबूत करने का प्रयास किया जायेगा। सांसद डॉ. संजीव बालियान के आरोपों को लेकर किये गये सवाल के जवाब में मदन भैया ने कहा कि डॉ. बालियान सम्मानित सांसद हैं और वो उनका सम्मान करते हैं, लेकिन जो कुछ भी उन्होंने कहा है, उसका जवाब देने का अभी उचित समय नहीं है। 2024 में समय आयेगा तो हर बात का जवाब दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान उन पर तमाम तरह के आरोप लगाये गये हैं, लेकिन उन्होंने किसी को गंभीरता से नहीं लिया।

एक कान से सुनने के बाद दूसरे कान से उसे निकाल दिया। लोनी के निवासी होने के सवाल पर मदन भैया तल्खी आवाज में बोले कि क्या लोनी पाकिस्तान में है? वो भी भारत और उत्तर प्रदेश का ही हिस्सा है। पहले वे लोनी के विधायक रहे हैं, लेकिन अब खतौली से रजिस्टर्ड हो गये है, इसलिए यहां की जनता के सुख दुख में साथ खड़े रहेंगे। विधायक मदन भैया ने कहा कि साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में वो लोनी सीट पर एक लाख से ज्यादा मतों को लेकर भी हारे थे, क्योंकि वहां का प्रशासन निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने कहा कि खतौली उपचुनाव के लिए यहां का प्रशासन पूरी तरह से निष्पक्ष रहा है, इसलिए वो यहां पर जीतने में सफल रहे।

डॉक्टर के यहां जा रही महिला की ट्रक से कुचलकर मौत

शामली, 8 अक्टूबर (बु.)। शामली शहर के आर्यपुरी निवासी राजेश देवी (45) पत्नी सोहनलाल का शहर के बुढ़ाना रोड स्थित बोहरा नर्सिंग होम में उपचार चल रहा है। गुरूवार की शाम करीब पौने छह बजे पुत्र सचिन अपनी मां राजेश देवी को मोपेड पर लेकर डॉक्टर के यहां जा रहा था। जैसे ही मोपेड सवार शहर के से गुजर रहे मेरठ-करनाल हाइवे पर आईसीआईसीआई बैंक के बाहर पहुंचे, तो अनियंत्रित ट्रक ने मोपेड में साइड मार दी, जिससे महिला सड़क पर नीचे गिर गई और ट्रक ने महिला को कुचल दिया। ट्रक से कुचलकर महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं महिला के कुचलने जाने पर लोगों ने शोर मचाते हुए आरोप चालक को दबोच लिया। इस दौरान कुछ ही मिनटों में वहां दोनों तरफ जाम लग गया। सूचना पर पहुंची शामली कोतवाली पुलिस ने आनन-फानन में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया तथा यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

खतौली विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों को प्राप्त मत

राष्ट्रीय लोकदल | भा.ज.पा.

क्रम	अभ्यर्थी	दल का नाम	प्राप्त मत	% मत
1	मदन भैया	राष्ट्रीय लोक दल	97139	54.04
2	राजकुमारी	भारतीय जनता पार्टी	74996	41.72
3	यशपाल सिंह	मजदूर किसान यूनियन पार्टी	478	0.27
4	रमेश	भागीदारी पार्टी(पी)	1849	1.03
5	निर्मल प्रताप सिंह	निर्दलीय	523	0.29
6	प्रदीप कुमार	निर्दलीय	109	0.06
7	प्रमोद आर्य	निर्दलीय	1803	1
8	यजपाल सिंह राठी	निर्दलीय	123	0.07
9	मौ0 युसुफ	निर्दलीय	164	0.09
10	वकार अजहर	निर्दलीय	147	0.08
11	सन्तोष	निर्दलीय	713	0.4
12	सुदेश	निर्दलीय	240	0.13
13	सुरेशवती	निर्दलीय	145	0.08
14	संजीव कुमार	निर्दलीय	481	0.27
15	इनमे से कोई नहीं	इनमें से कोई नहीं	838	0.47

कमल दल के चेहरों पर छाई रही....

बाकी की स्थिति यह थी कि जाना चाहते थे, लेकिन पांव उठ नहीं रहे थे। चेयरमैनी टिकट के तमाम दावेदार भी वहां नजर आए। एक ही चर्चा रही कि टिकट गलत दिया गया। विक्रम सैनी के प्रति नाराजगी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। जाट और गूर्जर के साथ दलित बहुल गांवों से मिल रही पराजय की सूचनाएं मनोबल को तोड़ने वाली थीं। अंततः पराजय नजदीक देख भारी मन से तमाम नेता वहां से खामोशी के साथ लौट गए। वहां मौजूद नेताओं में पूर्व विधायक अशोक कंसल, जानसठ चेयरमैन प्रवेश भड़ाना, शाहपुर चेयरमैन प्रमेश सैनी, बुढ़ाना के जितेंद्र त्यागी, अशोक बाठला, कुशपुरी, कुलदीप गोयल, राहुल गोयल, अचिंत मित्तल,श्रीमोहन तायल, संजय अग्रवाल, अभिषेक गुर्जर, संजय गर्ग, जोगेंद्र वर्मा विपुल त्यागी समेत बड़ी संख्या में नेता वहां मौजूद रहे।

त्यागी मतदाताओं की नाराजगी भी नतीजों में खूब -झलकी

त्यागी बाहुल्य गांवों में भी जीतकर निकले रालोद उम्मीदवार मदन भैया

मुजफ्फरनगर, 8 दिसंबर (बु.)। भाजपा के परम्परागत वोट बैंक माने जाने वाला त्यागी मतदाता भी छिटक गया। चुनावी नतीजों में त्यागी बाहुल्य गांवों से रालोद उम्मीदवार मजबूत होकर निकले। इसके पीछे नोएडा प्रकरण में भाजपा नेता द्वारा की गई टिप्पणी को नाराजगी का एक कारण माना जा रहा है, क्योंकि नोएडा के श्रीकांत त्यागी खतौली विधानसभा में डेरा डालकर भाजपा को हराने की मुहिम में जुटे रहे।

खतौली उपचुनाव के चुनावी नतीजों में त्यागी समाज की भाजपा से नाराजगी खुलकर सामने आई है। हालांकि पहले से ही यह आशंका जताई जा रही थी कि त्यागी समाज इस बार भाजपा से किनारा कर सकता है, क्योंकि नोएडा के श्रीकांत प्रकरण को लेकर चले आंदोलन में मुजफ्फरनगर के लोगों की बड़ी भागीदारी रही थी। इस प्रकरण में बाद से ही श्रीकांत त्यागी और दूसरे त्यागी समाज के लम्बरदार भाजपा की घेराबंदी में लगे हुए थे। खतौली में उपचुनाव की घोषणा होने के बाद श्रीकांत त्यागी ने अपने समर्थकों के साथ खतौली विधानसभा में डेरा डाल लिया था। उन्होंने त्यागी बाहुल्य गांवों में भाजपा को हराने की मुहिम को खूब हवा दी थी। भाजपा को भी इस बात का अहसास था। डेमेज कंट्रोल के लिए त्यागी समाज के जनप्रतिनिधियों को मैदान में उतारा था, लेकिन चुनावी नतीजों से यह साफ हो गया है कि उनका असर बेअसर ही रहा है। त्यागी बाहुल्य गांव नावला, सोंहजनी तगान आदि में रालोद उम्मीदवार अच्छे मतों से जीतते हुए नजर आये। जाहिर है कि त्यागी समाज की यह नाराजगी दूर नहीं हुई तो २०२४ के चुनाव में भी इसका असर नजर आने वाला है।

कुछ इस तरह से मेरी बेटी ने मनाया अपना जन्मदिन : अंकुर दुआ

मुजफ्फरनगर, 08 दिसम्बर (बु.)। आज 08 दिसम्बर को मेरी बेटी सौम्या दुआ का जन्मदिन था। उसने पहले से ही यह सोच रखा था कि वह इस बार अपना जन्मदिन कुछ बच्चों को अपनी ओर से गिफ्ट देकर मनाएगी। सौम्या ने अपनी जेबखर्ची से कुछ गरम कपड़े, गरम कैप, मौजे आदि खरीदे और नगर के ही एक सरकारी प्राईमरी स्कूल में चली गयी। मैं भी अपनी बेटी सौम्या का उत्साहवर्धन करने के लिए प्राईमरी स्कूल में उसके साथ गया और बच्चों के साथ खूब चट-पटी बातें की, जब बच्चों से 6-8 और 3 के पहाडे सुने गये तो नन्हे-नन्हे बच्चों ने खुद हाथ उठाकर कहा कि हमें यह पहाडे याद हैं